संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 307
पृष्ठ 8
मंगलवार
29 जुलाई 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित    Email : shaharsamta@gmail.com    Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मानसून में यूपी की इस जगह पर...    विचार- अमेरिकी संघीय न्यायालय ने...    खेल- शुभमन पर संदेह करने वालों को...

## किसी दबाव में नहीं रूका आपरेशन सिंदूर : राजनाथ

**हमारा मकसद युद्ध छेड़ना नहीं बल्कि हमें आतंकवादियों के ढांचों को नेस्तनाबूद करना था**

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आपरेशन सिंदूर को किसी के दबाव में रोकने के विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए आज लोकसभा में कहा कि इस आपरेशन के सभी लक्ष्य हासिल कर लिये गये थे और इसे किसी के दबाव में नहीं रोका गया। श्री सिंह ने सोमवार को सदन में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक आपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टालरेंस की नीति को पूरी दुनिया ने देखा और हम इससे पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर पूरी तरह सफल रहा और सेनाओं ने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया। उन्होंने कहा, हमने किसी के दवाब में आकर इसे नहीं रोका बल्कि हमने दुश्मन के हर मंसूबे पर पानी फेरा है। हमारा मकसद युद्ध छेड़ना नहीं बल्कि हमें आतंकवादियों के ढांचों को नेस्तनाबूद करना था जिसे 22 मिनट में हासिल कर लिया गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के स्तर पर संपर्क कर आग्रह किया गया था कि अब कार्रवाई रोक दी जाए। यह पेशकश इस शर्त के साथ स्वीकार की गई कि यह अभियान सिर्फ रोका जा रहा है, और अगर भविष्य में कोई दुस्साहस हुआ तो अभियान फिर प्रारंभ होगा। रक्षा मंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के लोग पूछते हैं कि हमारे कितने विमान गिरे, यह सवाल राष्ट्रीय भावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। जब लक्ष्य बड़े हों तो अपेक्षाकृत छोटे मुद्दे पर सवाल नहीं किए जाते। इससे देश की सुरक्षा, सैनिकों के सम्मान और उत्साह से ध्यान हट सकता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष को यह सवाल पूछना चाहिए था कि हमारी सेना ने पाकिस्तान के कितने विमानों को गिराया और कितने ठिकानों को ध्वस्त किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा में पेन और पेंसिल के टूटने की चिंता नहीं करनी चाहिए बल्कि परीक्षाफल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सेना के तीनों अंगों (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) के तालमेल का बेमिसाल उदाहरण है और इसमें पाकिस्तान की हर हरकत का करारा जवाब दिया गया। इस ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए और यह संख्या अधिक भी हो सकती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आपरेशन सिंदूर को अंजाम देने से पहले हर पहलू पर बहुत गहराई से अध्ययन किया गया था और यह विकल्प चुना गया था कि केवल आतंकवादियों और उनके ठिकानों को ही धवस्त करना है और पाकिस्तान के आम नागरिकों को कोई क्षति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं थी बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का निर्णायक प्रकटीकरण था। श्री सिंह ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में 2014 के बाद उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। भारत आतंकवाद के हर रूप को समाप्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार और सेना सब मिलकर देश की एकता अखंडता के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाये जायेंगे।

## योगी ने सुनी 'जनता दर्शन' में पीड़ितों की फरियाद

**अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश दिए**

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन में आए प्रदेशभर से लगभग 60 से अधिक फरियादियों की शिकायत सुनी और संबंधित अधिकारियों को उसके निस्तारण के निर्देश दिए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री हर पीड़ित के पास स्वयं पहुंचे, समस्याएं सुनीं, प्रार्थनापत्र लिया और समाधान के लिए आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक की समस्याओं का समाधान कर खुशहाल उत्तर प्रदेश बनाना ही सरकार की प्राथमिकता है। 'जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, रोजगार, शिक्षा, आवास,

कब्जा, परिवार आदि से जुड़े मामले आए, जिस पर प्रार्थनापत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को दिया। जनता की समस्या सुनते हुए योगी ने अधिकारियों को संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन में अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा–पुचकारा व चॉकलेट–टॉफी प्रदान किया और उज्ज्वल भविष्य बनाने का आशीर्वाद दिया।

## टैगोर की धरती से ममता ने छेड़ा 'दूसरा भाषा आंदोलन', बोलीं- अपनी अस्मिता और मातृभाषा को नहीं भूल सकते

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अन्य राज्यों में बंगाली प्रवासियों पर कथित हमलों के खिलाफ बोलपुर में विरोध मार्च किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप सबकुछ भूल सकते हैं, लेकिन आपको अपनी 'अस्मिता', मातृभाषा, मातृभूमि नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हूँ, मेरा मानना है कि विविधता में एकता ही

हमारे राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि अगर हम बंगाल में 1.5 करोड़ प्रवासी मज़दूरों को आश्रय दे सकते हैं, तो आप दूसरे राज्यों में काम कर रहे 22 लाख बंगाली प्रवासियों को क्यों नहीं स्वीकार कर सकते। भावनाओं और प्रतीकों से भरपूर यह विरोध मार्च 'टूरिस्ट लॉज' चौराहे से शुरू हुआ और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि पर तीन किलोमीटर की दूरी तय कर जम्बोनी बस अड्डे पर समाप्त हुआ। हाथ में टैगोर का चित्र लिए हुए ममता ने सड़क के दोनों ओर खड़ी भीड़ का अभिवादन करते हुए रैली का नेतृत्व किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रतुल मुखोपाध्याय का प्रतिष्ठित विरोध गान ''अमी बांग्लाय गान गाई'' गाया, जबकि सफेद और लाल साड़ियां पहने महिलाओं ने शंख बजाया, जिससे रैली में एक विशिष्ट बंगाली संस्कृति का रंग भर गया।

## 'लोकतंत्र पर वार' एसआईआर के खिलाफ विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

**खड़गे, राहुल, सोनिया और अखिलेश भी हुए शामिल**

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव सहित इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेता सोमवार को मतदाता सूची के विवादास्पद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर संसद के मकर द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन में सभी विपक्षी दलों ने भाग लिया, नेताओं ने लोकतंत्र पर वार लिखे बैनर और ''स्टॉप सर'' लिखी तख्तियां पकड़ी हुई थीं, जिसमें सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया गया। प्रदर्शन में असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई और सीपीआई (एमएल) (लिबरेशन) सांसद

राजा राम सिंह कुशवाहा भी मौजूद थे, जो एसआईआर के कथित विस्तार पर व्यापक चिंता को दर्शाता है। इस बीच, संसद के चल रहे मानसून सत्र में अपनी ताकत दिखाने के लिए, भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल सभी सहयोगी दलों के सांसदों को बुलाया है। भाजपा ने अनुरोध किया था कि सभी एनडीए सांसद आज सुबह 10रू00 बजे संसद के मकर द्वार पर उपस्थित रहें। लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की सैन्य प्रतिक्रिया श्ऑपरेशन सिंदूरश पर विशेष चर्चा होने वाली है। संसद में पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के शीर्ष नेताओं के बीच तीखी बहस होने की उम्मीद है। सोमवार की लोकसभा की कार्यसूची में लिखा है, ष्पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के सशक्त, सफल और निर्णायक श्ऑपरेशन सिंदूरश पर विशेष चर्चाष।

## जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन महादेव, तीन आतंकियों को सुरक्षा बलों ने किया ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। श्रीनगर के पास दाचीगाम के जंगल के ऊपरी इलाकों में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए हैं। यह मुठभेड़ भारतीय सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा एक बड़े संयुक्त अभियान के तहत शुरू की गई, जो दिन में पहले इलाके में गोलियों की आवाजें सुनने के बाद शुरू की गई थी। शीर्ष खुफिया सूत्रों ने पुष्टि की है कि मारे गए तीनों आतंकवादी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े विदेशी नागरिक थे। उन्होंने आगे कहा कि यह मुठभेड़ एक महीने तक चले खुफिया–आधारित अभियान का नतीजा थी। दावा किया जा रहा है कि ये ये तीनों पहलगाम में हुए हालिया आतंकवादी हमले में शामिल थे है। उन्होंने बताया कि जब सुरक्षा बल इलाके में तलाश अभियान चला रहे थे तब दूर से दो गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी। उन्होंने बताया कि इलाके में अतिरिक्त बलों को भेजा गया है। खोज और तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

## अमानतुल्लाह खान की बढ़ीं मुश्किलें, वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू अदालत ने सोमवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड में सीईओ और अन्य दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में आप विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। वक्फ बोर्ड के पूर्व सीईओ खान पर साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) दिग विनय सिंह ने अमानतुल्लाह खान और महबूब आलम के खिलाफ साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप तय किए। अन्य नौ आरोपियों पर अदालत ने साजिश के अपराध का आरोप लगाया है। उक्त अवधि के दौरान, इन नियुक्तियों के समय, आप विधायक 2016 में बोर्ड के अध्यक्ष थे। आरोप

पर विस्तृत आदेश अभी अदालत द्वारा अपलोड किया जाना बाकी है। अदालत ने सभी आरोपियों, अमानतुल्लाह खान, महबूब आलम, हामिद अख्तर, किफायतुल्लाह खान, रफीउल्लाह खान, इमरान अली, मोहम्मद अहरार, अकीब जावेद, अजहर खान, जाकिर खान और अब्दुल मन्नार को आरोप पढ़कर सुनाए। किसी भी आरोपी ने न तो अपना दोष स्वीकार किया और न ही मुकदमे की मांग की। इसके बाद, अदालत ने आरोपियों के खिलाफ अभियोजन पक्ष के साक्ष्य दर्ज करने के लिए मामले को 21, 22, 24 और 26 अगस्त को सूचीबद्ध किया। सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ अगस्त 2022 में आरोप पत्र दायर किया था। आप और अन्य आरोपी इस घटना के सिलसिले में जमानत पर थे। आरोप है कि आप विधायक के अध्यक्ष पद पर कार्यकाल के दौरान उनके सहयोगियों और रिश्तेदारों को दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया और नियमों का पालन नहीं किया गया।

## लोगों को सबूत की ज़रूरत नहीं, ये पाकिस्तान ने किया...

**चिदंबरम के बयान पर प्रियंका चतुर्वेदी की दो टूक**

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार को पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम की टिप्पणी का खंडन करते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में लोगों को किसी सबूत की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने पहले भी कई आतंकी गतिविधियों में पाकिस्तान की संलिप्तता के उदाहरण दिए। प्रियंका चतुर्वेदी ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि पाकिस्तान की संलिप्तता का सबूत यह है कि उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का बचाव किया। टीआरएफ ने एक्स पर एक पोस्ट में पहलगाम आतंकी हमले की ज़िम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे; हालाँकि, उन्होंने यह कहते हुए पोस्ट वापस ले लिया कि उनका

अकाउंट हैक हो गया था। एएनआई से बात करते हुए, प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि वह (पी चिदंबरम) पूर्व गृह मंत्री रह चुके हैं और कई मंत्रालयों में काम कर चुके हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले 70 सालों के इतिहास में, हमने उनके साथ युद्ध किए हैं और उनकी आतंकी गतिविधियों का सामना किया है। इसका सबूत यह है कि पहले टीआरएफ ने (पहलगाम की) ज़िम्मेदारी ली, फिर मुकर गया। पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में टीआरएफ की ओर से बोलता है। अमेरिका ने उन्हें आतंकवादी संगठन घोषित किया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने साफ तौर पर कहा कि लोगों को सबूत की ज़रूरत नहीं है। हमने इसका सामना किया है। यह सब पाकिस्तान का किया–धरा है, जो न तो खुद तरक्की कर पाया और न ही चाहता है कि कोई और ऐसा करे। दूसरी ओर, शिवसेना नेता संजय राउत ने पी चिदंबरम के बयान से सहमति जताते हुए गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफ़े की माँग की। उन्होंने कहा, षचिदंबरम साहब शायद सही कह रहे हैं। गृह मंत्री को इस्तीफ़ा दे देना चाहिए था। 27 जुलाई को क्विंट समाचार आउटलेट को दिए एक साक्षात्कार में, पी चिदंबरम ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया, मेरा मतलब है, जहाँ तक हम जानते हैं, वे घरेलू आतंकवादी हो सकते हैं। आप यह क्यों मान लेते हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे? इसका कोई सबूत नहीं है।

## राहुल-अखिलेश पर भड़के निशिकांत दुबे, कहा- ये बांग्लादेशी नागरिकों को वोटर बनाना चाहते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में एसआइआर के खिलाफ़ विपक्ष के विरोध पर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी जानते हैं कि एसआइआर क्या होता है?... जब प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 21 से 18 साल के युवाओं को वोट देने का अधिकार दिया था, तब उन्होंने विशेष संशोधन की बात कही थी।

उन्हें क़ानून नहीं पता। उनके पिता का क़ानून पास हो गया है। 1 अगस्त से 1 सितंबर तक जिनके नाम कट गए हैं, उन्हें अपना आवेदन जमा करने का अधिकार है।

अभी फ़ाइनल प्रिंट नहीं आया है। चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट नहीं आई है। 1 सितंबर के बाद वोटर लिस्ट जारी होगी।

## हरिद्वार मंदिर में रिसीवर नियुक्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, उत्तराखंड सरकार को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हरिद्वार स्थित मां चंडी देवी मंदिर के षसेवायतष द्वारा दायर याचिका पर उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में उस आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। जिसमें बद्री–केदार मंदिर समिति को मंदिर के प्रबंधन के लिए एक रिसीवर नियुक्त करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि बद्री केदार मंदिर समिति द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय याचिका के परिणाम के अधीन होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे और अधिवक्ता अश्विनी दुबे हरिद्वार स्थित मां चंडी देवी मंदिर के याचिकाकर्ता महंत भवानी नंदन गिरि की ओर से पेश हुए। गिरि

ने शीर्ष अदालत में अपनी याचिका में कहा कि उत्तराखंड हाईकोर्ट ने बिना किसी सबूत और शिकायत के मंदिर का नियंत्रण एक समिति को सौंप दिया, जबकि हाईकोर्ट द्वारा 2012 में ही हरिद्वार के डीएम और एसएसपी की एक समिति गठित की जा चुकी थी। याचिकाकर्ता का यह भी तर्क है कि रिसीवर नियुक्त करने का निर्देश एक आपराधिक मामले में एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान दिया गया, जो प्रक्रिया के दायरे से बाहर है। मां चंडी देवी मंदिर की स्थापना 8वीं शताब्दी में जगद्गुरु श्री आदि शंकराचार्य ने की थी और तब से याचिकाकर्ता के पूर्वज इस मंदिर की श्सेवायतश के रूप में देखरेख करते आ रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त हरिद्वार के डीएम और एसएसपी की समिति ने न तो एक भी शिकायत दर्ज की है और न ही कुप्रबंधन या गबन का कोई सवाल उठाया है। याचिका में कहा, हाईकोर्ट ने मनमाने, अवैध और विकृत निर्देश पारित किए हैं। याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि हाईकोर्ट ने नोटिस जारी नहीं किया और विवादित निर्देश पारित कर दिए। याचिका में कहा गया है कि हाईकोर्ट ने मंदिर का कार्य बद्री केदार मंदिर को षलती सेष सौंप दिया, बिना यह समझे कि हरिद्वार के डीएम और एसएसपी वाली समिति पूरी लगन से काम कर रही है। याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि हाईकोर्ट ने नोटिस जारी नहीं किया और विवादित निर्देश पारित कर दिए।

हाईकोर्ट ने यह आदेश रीना बिष्ट नाम की एक महिला द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया था। जिसने मंदिर के मुख्य पुजारी रोहित गिरि की लिव–इन पार्टनर होने का दावा किया था। रोहित की पत्नी गीतांजलि ने 21 मई को अपने पति रीना बिष्ट और सात अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

## जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गए जेल

प्रयागराज। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत गंगानगर जोन के थाना होलागढ़ की पुलिस ने मारपीट व जानलेवा हमला के दो वांछितों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अरुआंव बंथरी स्थित बड़ी नहर फाटक के पास सूरज सरोज और सूरज कुमार निवासीगण अरुआंव को पकड़ा। पुलिस अनुसार, तुर्किहन का पूरा दहियांवा के बद्री प्रसाद यादव ने होलागढ़ थाने में 12 अप्रैल को मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि सूरज सरोज और सूरज कुमार ने मामूली विवाद में बद्री प्रसाद समेत परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। लाठी डंडे से हमलाकर लहूलुहान करने के बाद फरार हो गए।

## आठ राज्यों की एनईपी क्रियान्वयन को परखेगा इविवि

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय को एक बड़ी शोध परियोजना मिली है, जिसके तहत वह उत्तर भारत के आठ राज्यों में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–2020) के क्रियान्वयन और प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा। इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग को पहली बार भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) से मेजर प्रोजेक्ट मिला है। प्रोजेक्ट में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर शामिल हैं। शोध का मुख्य फोकस स्कूल और उच्च शिक्षा में पंचकोशीय विकास (शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक और भावनात्मक पहलुओं) के आधार पर होगा। यह परियोजना शिक्षा के स्तर पर हो रहे व्यावहारिक बदलावों का फील्ड सर्वेक्षण के माध्यम से मूल्यांकन करेगी। परियोजना के प्रमुख अन्वेषक (प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर) कॉमर्स विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सृजन अनंत ने बताया कि यह अध्ययन नीति निर्माताओं को मूल्यवान इनपुट देगा, जिससे एनईपी–2020 के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा। अध्ययन से यह भी पता चलेगा कि शिक्षा नीति का विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक पृष्ठभूमियों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। डॉ. अनंत ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में उनके साथ रजिस्ट्रार प्रो. आशीष खरे, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के प्रो. सूर्या रश्मि रावत, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. गीता भट्ट और प्रो. सुनील कुमार भी शामिल हैं।

## पीसीडीए की 'धरोहर – पेंशन वीथिका' का उद्घाटन

प्रयागराज। रक्षा लेखा महानियंत्रक डॉ. मयंक शर्मा ने सोमवार को पीसीडीए की 'धरोहर–पेंशन वीथिका का उद्घाटन किया। रक्षा लेखा प्रशिक्षण के संस्था में बनाई गई वीथिका में पीसीडीए का इतिहास है। देश की आजादी के बाद लाहौर से

प्रयागराज (तब इलाहाबाद) आए पीसीडीए कार्यालय के दस्तावेज, पुरानी टाइपराइज, 1966 के मेज और कुर्सी के अलावा अंग्रेजों के जमाने में दिए जाने वाले पेंशन के पीपीओं की प्रतिलिपि है। वीथिका में दुश्मन मुल्क पाकिस्तान की सेना के छक्के छुड़ाने वाले जरल मानेक शॉ, सीडीएस विपिन रावत, शहीद सूबेदार जोगिंदर सिंह, वीर अब्दुल हमीर, कैप्टन बत्रा के साथ उनके और परिवार को मिलने वाली पेंशन और फैमिली पेंशन के पीपीओ की फोटो है। वीथिका में पीसीडीए के अधिकारियों का इतिहास भी है। उद्घाटन समारोह में पीसीडीए के साथ थलसेना, वायुसेना और नौसेना के अधिकारी भी मौजूद रहे।

## हत्या के प्रयास में तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। खीरी थाने की पुलिस ने रविवार की रात हत्या का प्रयास के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पालपट्टी चौराहे के समीप दबिश देकर पिपरहटा बिसौरा गांव के सचिन उर्फ दरोगा, बुद्धिमान व अश्वनी कुमार को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, पिपरहटा निवासी सूरज कुमार ने 23 जुलाई को तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया कि उनके भतीजे सुशील और अनिल को आरोपियों ने घर में घुसकर पहले गाली–गलौज की। इसके बाद लाठी डंडे से हमला बोल दिया। सिर पर चोट लगने से सुशील बेहोश हो गया। घटना वाले दिन से ही पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि 22 जुलाई को सुशील कुमार ने किराना व्यवसायी अश्वनी कुमार की दुकान पर आकर सिगरेट मांगा था। अश्वनी ने उधार सिगरेट देने से मना किया, तो सुशील ने गाली–गलौज की। इसका बदल लेने के लिए सुशील पर हमला किया गया था।

## आबादी की तरफ बढ़ रही गंगा

प्रयागराज। गंगा–यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कछार में फैलता गंगा का पानी अब आबादी की तरफ बढ़ने लगा है। पहले चरण की बाढ़ में कछारी क्षेत्र के जो हिस्से डूबे थे, वहां फिर पानी पहुंचने लगा है। पिछले 24 घंटे (रविवार सुबह आठ बजे से सोमवार सुबह आठ बजे तक) में छतनाग में गंगा का

जलस्तर एक मीटर छह सेमी बढ़ा। इस दौरान नैनी में यमुना का जलस्तर एक मीटर 14 सेमी बढ़ा। फाफामऊ में गंगा में 71 सेमी वृद्धि हुई। बीते 12 घंटे (रविवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह आठ बजे तक) फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 55 सेमी, छतनाग में 54 सेमी और नैनी में यमुना का जलस्तर 52 सेमी बढ़ा है। सिंचाई विभाग के इंजीनियरों का कहना है कि यमुना की सहायक नदी, केन, बेतवा और चंबल का जलस्तर बढ़ने से प्रयागराज के निचले इलाकों में इस साल दूसरी बार बाढ़ का खतरा बढ़ा है। इंजीनियरों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक गंगा–यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ेगा।

# बदहाल गलियों में भर जाता है पानी, बरसों से झेल रहे परेशानी

प्रयागराज। करेलाबाग की लाल कॉलोनी में बदहाल गलियों और जलभराव बड़ी समस्या बन चुकी है। जल निकासी की व्यवस्था के अभाव में थोड़ी सी बारिश में मार्गों पर पानी भर जाता है। सीवर लाइनें जाम होने से गंदा पानी मार्ग भरा रहता है। कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। बाशिंदे कई बार शिकायत कर चुके, लेकिन नगर निगम नहीं जागा। यहां के लोगों की परेशानी जानी तो उन्होंने जिम्मेदारों को कोसा। कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि से भी समस्याओं के निदान के लिए गुहार लगा चुके, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

करेलाबाग की श्रम कॉलोनी को लाल कॉलोनी के नाम से जाना जाता है। इसके 42 ब्लॉकों के 504 आवासों में रह रहे लोग लंबे समय से जलभराव, चोक सीवर लाइनों और गंदगी की समस्या से परेशान हैं। यहां पिछले दिनों कुछ गलियों में इंटरलॉकिंग का काम हुआ, बाकी मार्गों पर काम रोक दिया गया। गलियों में कूड़ा फैला हुआ है। बारिश के कारण कीचड़ होने से चलना दूभर है। जोखिम के चलते इस मार्ग का लोगों ने प्रयोग करना बंद कर दिया है। दूसरे रास्ते होकर आवागमन करते हैं। लोग इन बदहाल गलियों की सफाई कराकर दशा सुधारने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। जल निकासी की उचित व्यवस्था के अभाव में जरा सी बारिश में सड़कों पर जलभराव हो जाता है और आवागमन बाधित हो जाता है। यहां जल निकासी के लिए मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां नहीं बनाई गई हैं। जहां नालियां हैं वहां लोगों ने उस पर अतिक्रमण कर पक्के चबूतरे बना लिए हैं। कुछ देर बारिश हो जाए तो सड़कों पर घुटने भर पानी भर जाता है। कई वर्ष से यहां के लोग इस समस्या से परेशान हैं और जल निकासी की व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, लेकिन पक्की नालियां नहीं बन सकी हैं। चोक सीवर लाइन बढ़ा रही समस्या कॉलोनी की सीवर लाइनें चोक पड़ी हैं। जिससे गंदा पानी ओवरफ्लो होकर लोगों के घरों के सामने भरा रहता है। सड़क और खाली

जगहों पर सीवर का पानी एकत्र हो जाने से गंदगी और बदबू से लोग परेशान हैं। मच्छर पनप रहे हैं। बीमारियां फैलने की आशंका है। कॉलोनीवासियों ने बताया कि वर्ष 1951 में यहां सीवर लाइन बिछ गई थी, लेकिन कभी कभार ही इसकी सफाई गई है। नियमित सफाई न होने से सीवर लाइनें जाम हैं। इस संबंध में कई बार शिकायत कर सीवर लाइनें ठीक करने की मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। दूषित जलापूर्ति कर रही बीमार लाल कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई गई पाइप लाइनें जगह–जगह से क्षतिग्रस्त हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षतिग्रस्त पाइप के कारण सीवर का पानी नलों से आता है। सुबह जलापूर्ति चालू होने पर पानी से इतनी बदबू आती है कि इस पानी का इस्तेमाल नहीं कर सकते। नल को काफी देर तक खुला छोड़ देते हैं। 10–15 मिनट के बाद कुछ ठीक पानी आता है, जो उपयोग के लायक रहता है। लोग आरओ का पानी खरीद कर पीने को बाध्य हैं। जो लोग आपूर्ति का पानी पीते हैं, वे पेट की बीमारियों से परेशान रहते हैं। इस समस्या से परेशान लोगों ने कई बार इसकी शिकायत जलकल विभाग के कार्यालय में की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। गंदे पानी के कारण कॉलोनी के 35 वर्षीय अरविंद, 45 वर्षीय सुधीर, 20 वर्षीय शुभम, 40 वर्षीय शेबू, 45 वर्षीय पूनम, 70 वर्षीय जेपी खरे सहित बड़ी संख्या में लोग पेट दर्द, उल्टी–दस्त आदि से परेशान हैं। कुछ लोगों को अस्पताल जाना पड़ा। सफाई व्यवस्था भी चौपट लोगों ने बताया कि सफाईकर्मी कॉलोनी में कभी–कभी ही दिखते हैं और रस्म अदायगी कर चले जाते हैं। इससे जगह–जगह गंदगी पसरी रहती है। नालियां बजबजा रही हैं। गंदगी और बदबू के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। यहां सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर दवाओं के छिड़काव की सख्त जरूरत है। हमारी भी सुनें कुछ गलियों में इंटरलॉकिंग नहीं किया गया है। इन गलियों में कचरा भरा हुआ है। गंदगी के कारण लोग इसका प्रयोग न कर दूसरे रास्ते से आते–जाते हैं। कई बार गुहार लगाई गई जा चुकी है। – इंदुशेखर उपाध्याय हम लोग कई साल से जलजमाव और सीवर की समस्या से परेशान हैं। शिकायत की जाती है, लेकिन जिम्मेदार शिकायतों पर ध्यान नहीं देते। समस्या गंभीर होती जा रही है। यह परेशानी दूर होनी चाहिए। – अशोक कुमार दीक्षित गंदगी और जलभराव कॉलोनी की प्रमुख समस्या है। कॉलोनी में जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। जरा सी बारिश में घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। सड़क पर पानी भर जाता है जो कई दिन नहीं निकल पाता। – विजय किशोर यादव कई दिन से नल से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। शिकायत के बाद भी लीकेज को ठीक नहीं किया जा रहा है। इससे लोग बीमार हो रहे हैं। हमें भी पेट दर्द की समस्या हो चुकी है। –फरदीन चोक सीवर लाइनों के कारण गंदा पानी दरवाजे तक आ जाता है। इससे हम लोग काफी परेशान हैं। शिकायत करते हैं, लेकिन अधिकारी हमारी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। समाधान जरूरी है। –एसके माधवार कई साल से हम लोग जलभराव और सीवर की समस्या से परेशान हैं। शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होती। चोक सीवर लाइन, जलभराव और दूषित जलापूर्ति से हमें निजात मिल जाए तो राहत मिले। –केएस मिश्रा कॉलोनी की अधिकांश गलियां गंदगी से पटी पड़ीं हैं, कुछ गलियों में इतना कीचड़ है कि आवागमन बंद कर दिया गया है। गंदगी और बदबू से कभी भी यहां बीमारी फैल सकती है। – रणजीत सिंह पूरे साल हम लोग जलजमाव की समस्या से परेशान रहते हैं। चोक सीवर लाइनों के कारण गंदा पानी सड़क पर जमा रहता है। बारिश के मौसम में परेशानी इतनी बढ़ जाती है कि घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। – श्रीराम मोहन कॉलोनी में हर तरफ समस्याएं हैं जिसके लिए बराबर शिकायत की जाती है, लेकिन न अधिकारी ध्यान देते हैं न जनप्रतिनिधियों को चिंता है। सीवर और दूषित जलापूर्ति की समस्या का निदान हो जाए तो राहत मिले। –अरविंद यहां जल निकासी की समस्या से हम पूरे वर्ष परेशान रहते हैं। कहीं नालियां नहीं हैं तो कहीं नालियों की सफाई नहीं हो रही है। बारिश हो जाए तो हम घर से नहीं निकल पाते, सड़क और गलियां लबालब हो जाती हैं। – कृष्णा पाल यहां जलनिकासी की समस्या के समाधान के लिए नगर निगम के उच्चाधिकारियों से कई बार फरियाद की गई, लेकिन समस्या का निदान नहीं हो सका है। थोड़ी देर बारिश होने पर सड़क पर पानी भर जाता है। – पंकज गंदगी की दुर्गंध के कारण परेशान हैं। कॉलोनी में कभी सफाई नहीं होती, हर तरफ कूड़ा बिखरा रहता है। इससे बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। नियमित सफाई की जानी चाहिए। – मधुरिमा श्रीवास्तव काफी दिनों से नल से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। गंदे पानी के सेवन से हमें पेटदर्द की समस्या बनी रहती है। यह हमारे जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है जिसका समाधान होना जरूरी है। – जेपी खरे कॉलोनी में हर तरफ गंदगी फैली रहती है, गलियों की हालत ऐसी है कि लोग वहां जाते ही नहीं। गलियों में कूड़ा भरा हुआ है। गंदगी के कारण बीमारी फैल सकती है, लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। – रंजना सीवर लाइन काफी समय से चोक है जिसके कारण गंदा पानी सड़क और खाली स्थानों पर एकत्र हो जा रहा है। कभी भी बीमारियां फैल सकती हैं। इस गंभीर समस्या का समाधान होना जरूरी है। – अजीत सिंह बोले जिम्मेदार करेलाबाग की लाल कॉलोनी में सीवर की समस्या संज्ञान में आई है। इसके निदान के लिए महाप्रबंधक जलकल से सम्पर्क स्थापित कर शीघ्र समाधान का प्रयास किया जाएगा। सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराकर दवा का छिड़काव करा दिया जाएगा। गंदगी व जलभराव की समस्या नहीं होने दी जाएगी। –दीपेन्द्र यादव, अपर नगर आयुक्त, नगर निगम

# दावाः स्वदेशी सिक्स स्ट्रोक इंजन से एक लीटर में 176 किमी चलेगी बाइक

प्रयागराज। जुनून अगर हो तो मंजिल खुद रास्ता बना लेती है। यही साबित कर रहे हैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुरा छात्र शैलेंद्र सिंह गौर, जिन्होंने ऑटोमोबाइल की दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव का बीड़ा उठाया है। करीब दो दशक की कठिन मेहनत के बाद शैलेन्द्र ने एक सिक्स स्ट्रोक इंजन बनाया है। उनका दावा है कि मौजूदा तकनीक को पीछे छोड़ते हुए यह इंजन 176 किमी/लीटर का जबरदस्त माइलेज देता है। भारत सरकार से उनकी इस तकनीक को दो पेटेंट मिल चुके हैं। कानपुर नगर के मूल निवासी शैलेंद्र वर्तमान में झूंसी में रहते हैं। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 1983 में

बीएससी (पीसीएम) की डिग्री हासिल की। 2007 में टाटा मोटर्स में नौकरी लगी लेकिन काम नहीं किया। उन्होंने एमएनएनआईटी के मैकेनिकल विभाग की प्रयोगशाला में छह महीने तक प्रो. अनुज जैन के साथ काम सीखा। इसके बाद आईआईटी–बीएचयू की प्रयोगशाला में भी काम सीखा। जुनून में शैलेंद्र ने अपने किराए के घर को ही प्रयोगशाला में तब्दील कर दिया। खेत, मकान और दुकान बेचकर उन्होंने अपने इस सपने को जिंदा रखा। उनका दावा है कि सिक्स–स्ट्रोक इंजन मॉडल पारंपरिक इंजनों की तुलना में तीन गुना ज्यादा दक्ष है और लगभग 70 प्रतिशत तक ऊर्जा का उपयोग करने में सक्षम है। दावा किया कि वह अपनी अनूठी बाइक का प्रदर्शन एक टीवी चौनल के कार्यक्रम में कर चुके हैं जिसमें एक लीटर में 120 किमी बाइक चलाकर दिखाई थी। उन्होंने कहा कि यह सिक्स–स्ट्रोक इंजन किसी भी आकार या ईंधन वाले वाहन में फिट किया जा सकता है। चाहे वह बाइक हो, कार, बस, ट्रक या पानी का जहाज। यह न केवल माइलेज बढ़ाता है बल्कि प्रदूषण भी कम करने में सक्षम है।

## मां कल्याणी योग समिति की महिलाओं द्वारा धूमधाम से मनाया गया, हरियाली तीज उत्सव

प्रयागराज। मां कल्याणी योग समिति द्वारा महिलाओं ने हरियाली तीज उत्सव का आयोजन बड़ी ही धूमधाम से किया ,उक्त कार्यक्रम में गायन वादन के साथ कजरी गीत का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया, योग प्रशिक्षिका सीता शर्मा ने हरियाली तीज व्रत के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि हरियाली तीज हिंदू धर्म एवं आस्था का एक प्रमुख पर्व है, सनातन धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व है यह पर्व सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है ।इस दिन विवाहित और अविवाहित महिलाएं अपने वैवाहिक सुख एवं पति की दीर्घ आयु की कामना हेतु व्रत धारण करती है। आगे उन्होंने बताया कि सनातन धर्म के अनुसार यह एक पर्व नहीं बल्कि धैर्य शक्ति और अटूट विश्वास तथा आस्था का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समिति द्वारा उक्त पर्व के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, योग प्रशिक्षिका सीता शर्मा के नेतृत्व में सहयोग प्रशिक्षिका सावित्री योग करता श्रीमती सोनी, मीनू ,रजनी, वंदना, शशि, पुष्पा ,आभा सोनी ,मालवी, शिवानी, रितु, अम्मा जी, मुस्कान शर्मा , प्रमुख रूप से कार्यक्रम के आयोजक मंडल में शामिल रहीं, साथ ही अन्य क्षेत्रीय महिलाएं भी कार्यक्रम में अपनी भागीदारी प्रस्तुत की ,और बड़े ही धूमधाम से हरियाली तीज उत्सव का कार्यक्रम मनाया। यह कार्यक्रम स्वामी जी की बगिया कल्याणी देवी प्रयागराज में आयोजित किया गया।

# गैस्ट्रो विभाग में हर चौथा मरीज लिवर संक्रमण से पीड़ित

प्रयागराज। बदलती जीवन शैली में पेट संबंधी होने वाली बीमारियों में वायरल हेपेटाइटिस की समस्या प्रमुख है। यह दिक्कत आमतौर पर हेपेटाइटिस ए और ई के रूप में देखी जाती है जबकि हेपेटाइटिस बी और सी होने पर लिवर का संक्रमण गंभीर हो जाता है। यदि समय से जांच व उपचार न किया जाय तो लिवर कैंसर जैसी समस्या हो सकता है। एसआरएन अस्पताल के गैस्ट्रोलॉजी विभाग प्रोफेसर डॉ. एसके प्रजापति ने बताया कि ओपीडी में प्रतिदिन 180 से 200 मरीज आते हैं। इसमें सभी तरह के हेपेटाइटिस से संबंधित लगभग 45 से 50 मरीज होते हैं। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. रीना सचान के अनुसार वायरल हेपेटाइटिस एक खामोश बीमारी की तरह है। यह धीरे–धीरे शरीर को नुकसान पहुंचाता है। देश में चार करोड़ लोग

हेपेटाइटिस बी और सी से पीड़ित हैं। वहीं 1.2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। डॉ. सचान ने बताया कि हेपेटाइटिस वायरस मुख्य रूप से ए, बी, सी, डी और ई होता है। इसमें हेपेटाइटिस ए और ई मुख्य रूप से दूषित भोजन और पानी से फैलता है।

## शहर समता विचार मंच (महिला) बिजनौर इकाई की जुलाई माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

बिजनौर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी बिजनौर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी अर्चना चौहान व ऋतु बाला रस्तोगी के संयोजन में तथा डा०सारंगा देश ष्असीमष्की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डा०मीना बख्शी तथा विशिष्ट अतिथि पूनम चौहान रहीं। यह काव्य गोष्ठी सायं 4रू30 बजे से 6रू00 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही डा० सारंगा देश ष्असीमष् द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति ष्रंजना हरितष् द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन ष्ऋतुबाला रस्तोगी ष् ने किया। इस काव्य गोष्ठी में ऋतुबाला रस्तोगी, डा०पूनम चौहान, ,अर्चना चौहान, ष् ,सुमन चौधरी, , डॉक्टर सारंग देश असीम, रजनि हरित , दामिनी कालरा ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें। अध्यक्षीय सम्बोधन के पश्चात धन्यवाद ज्ञापन बिजनौर इकाई की जिलाध्यक्ष ऋतु बाला रस्तोगी ने किया।

## ज्वाला देवी के पूर्व प्रधानाचार्य चिंतामणि सिंह का निधन

प्रयागराज। ज्वाला देवी इंटर कॉलेज सिविल लाइंस के पूर्व प्रधानाचार्य और विद्या भारती के पूर्व प्रदेश निरीक्षक चिंतामणि सिंह का रविवार को निधन हो गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सिविल लाइंस स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। पुत्र जगदीश सिंह के अनुसार अंत्येष्टि सोमवार को पैतृक गांव अमावा खुर्द, इशापुर, जौनपुर में होगी। निधन की सूचना पर विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान परिवार में शोक की लहर दौड़ गई।

## नारी सशक्तीकरण को समर्पित होगा स्वर्ण जयंती समारोह

प्रयागराज। मीरापुर बारवारी दुर्गा पूजा कमेटी इस बार अपनी दुर्गा पूजा का स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित करने जा रहा है। शारदीय नवरात्र के दौरान 28 सितंबर से लेकर दो अक्तूबर तक होने वाले समारोह को नारी सशक्तीकरण पर केंद्रित किया जाएगा। कमेटी के पदाधिकारियों ने इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। कमेटी के महासचिव श्यामल रॉय ने बताया कि श्मायेर हाथे–मायेर साथेश थीम के अनुरूप पूजा अनुष्ठान में महिला पुरोहितों को आमंत्रित किया गया है। जो नारी सशक्तीकरण और धार्मिक क्षेत्र में लैंगिक समानता का संदेश देने का कार्य करेंगी।

## जानलेवा हमले के आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मोरना। ब्लॉक मुख्यालय के गांव मोरना में तीन दिन पूर्व एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पीड़ित के मामा कि तहरीर के आधार पुलिस ने एक आरोपी को नामजद करते हुए तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने सोमवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। भोपा थाना क्षेत्र के गांव मोरना निवासी मोहम्मद इकरार ने तहरीर देकर बताया था कि बीते शुक्रवार को उसका 23 वर्षीय भांजा मोहम्मद जुबैर बाजार से अपने घर आ रहा था। जैसे ही वह घर के पास पहुंचा तभी

तीन लडके हथियारों से लैस होकर उसका पीछा करते हुए आए और उस जान से मारने की नीयत से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे जुबैर को गम्भीर चोटें आई। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने जुबैर की जान बचाई। हमलावर लोगों को देखकर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने घटना पर संज्ञान लेते हुए आरोपी मोरना निवासी आमिर सहित तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। तभी से मामले की जांच में जुटी हुई थी। थाना प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि सोमवार को पुलिस ने करहेडा तिस्सा मार्ग स्थित भट्ठे के पास से आरोपी मोरना निवासी आमीर तथा भुवापुर निवासी आकाश पाल व कार्तिक को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

## सारस्वत सम्मान से नवाजी गई सीमा वर्णिका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान में अवस्थित निराला सभागार में एक भव्य समारोह में डॉ. रमाकान्त श्रीवास्तव साहित्यिक संस्थान द्वारा वर्ष 2025 के सम्मानों के लिए कानपुर की लब्ध

प्रतिष्ठित साहित्यकार सीमा वर्णिका के साहित्यिक अवदान को दृष्टिगत रखते हुए विशिष्ट सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया। इस समारोह में सुप्रतिष्ठित साहित्यकारों के साथ उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के पूर्व प्रधान सम्पादक पद्मश्री विद्या बिन्दु सिंह तथा वर्तमान प्रधान सम्पादक अमिता दुबे उपस्थित रहीं तथा संस्थान के संस्थापक विनय श्रीवास्तव जी ने आभार ज्ञापित किया।

## नागपंचमी पर भयहरण नाथ में घुघुरी लोक उत्सव आज

### -श्री भयहरण नाथ धाम तीर्थ क्षेत्र के बेमिसाल 25 साल

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में नागपंचमी का पर्व 29 जुलाई को धूम धाम से मनाया जायेगा। परम्परागत रूप से घुघुरी लोक उत्सव का आयोजन होगा। विभिन्न प्रतियोगिता और सम्मान समारोह आयोजित होंगे तथा विविध लोक सांस्कृतिक आयोजन होंगे। मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी जी को आमंत्रित किया गया है। वहीं समारोह की अध्यक्षता पूर्व जिलाधिकारी प्रतापगढ़ आर एस वर्मा करेंगे। महासचिव

व उत्सव के संयोजक समाज शेखर ने बताया की इस अवसर पर कई नामी हस्तियों को प्रतापगढ़ गौरव, गुड़िया सम्मान व समाज रत्न सम्मान दिया जायेगा। तेज दौड़ प्रतियोगिता, गुड़िया गुड्डा व फुलझड़ी प्रतियोगिता का आयोजन होगा और विजेताओ को पुरस्कृत किया जायेगा। सूचना विभाग द्वारा कठपुतली द्वारा जगरूकता परक आयोजन होगा। लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम व कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन होगा। घुघुरी प्रसाद रूप में शिव को समर्पित कर जन सामान्य को वितरित होगा। कार्यक्रम में 2001 से 2025 तक श्री भयहरण नाथ धाम तीर्थ क्षेत्र के पुनर्जागरण के 25 वर्ष पूरे होने पर विशेष चर्चा व संवाद होगा। लोक भारती व वन विभाग द्वारा पौध रोपण होगा। नगर पंचायत और पुलिस विभाग स्थानीय सहयोग हेतु तत्पर है।


### विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्न रेलगाड़ीयाँ यह गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव, संरचना एवं मार्ग पर चलेगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

| गाड़ी सं. | कहाँ से कहाँ तक | प्रस्थान के दिन | फेरों की तिथि से | फेरों की तिथि तक |
|---|---|---|---|---|
| 03251 | दानापुर - सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरु | रवि. सोम. | 03.08.2025 | 25.08.2025 |
| 03252 | सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरु - दानापुर | मंगल. बुध. | 05.08.2025 | 27.08.2025 |
| 03259 | दानापुर - सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरु | मंगल. | 05.08.2025 | 26.08.2025 |
| 03260 | सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरु - दानापुर | गुरु. | 07.08.2025 | 28.08.2025 |

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1322/25(D)


# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आइजीआरएस कार्यो की समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में संपन्न

### आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण किया जाए

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में आईजीआरएस के सम्बन्ध में बैठक विकास भवन सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आइ जी आर एस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न किए जाने के कारण जनपद की रैंकिंग खराब हो रही है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का अधिकारी स्वयं अवलोकन करें तथा उस शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए जनपद की रैंक में आपेक्षित सुधार लाने की आवश्यकता है, जिससे जिले की ओवर ऑल रैंकिंग और बेहतर हो सके। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण, अधिशासी अभियंता सिंचाई, एडीओ पंचायत चरथावल,अधिशासी अभियंता पी डब्लू डी, कृषि विभाग आदि विभागों द्वारा शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण न किए जाने पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व

को निर्देशित किया कि संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा यदि उक्त शिकायतों का निस्तारण समय अंतर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण नहीं किया जाता है तो, एसे अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस शिकायत का निस्तारण सही ढ़ंग किया जाए, शिकायतकर्ता संतुष्ट है या असंतुष्ट शिकायतकर्ता से फोन से वार्ता कर शिकायतकर्ता का फीडबैक भी संबंधित अधिकारी द्वारा लिया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता से जिस नंबर द्वारा वार्ता की जाए, उक्त का मोबाइल नंबर समय दिनांक अवश्य अंकित करें और यदि निरीक्षण में संबंधित अधिकारी आख्या ली गई है तो उसका जियो टैग फोटो अपलोड अवश्य किया जाए तथा उसकी टिप्पणी में भी अंकित किया जाए। उन्होंने कहा कि। और ठ श्रेणी वाले अधिकारी गण अपनी श्रेणी बनाए रखें। तथा जो विभाग म श्रेणी में है वह अपने शिकायतों के निस्तारण में सुधार अवश्य लाएं जिससे रैंकिंग में सुधार हो सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर देशभूषण , अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुनील तेवतिया, जिला पंचायत राज अधिकारी रेनू श्रीवास्तव सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

# कजरी महोत्सव में गायकों व कवियों ने जमाया रंग

नैनी, प्रयागराज। अवंतिका विकास समिति द्वारा नैनी के चंद्रलोक गेस्ट हाउस में कजरी महोत्सव व कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व आईजी सी पी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी, जोन 5 के अध्यक्ष पार्षद रणविजय सिंह व वार्ड 40 के पार्षद पवन यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समिति के अध्यक्ष जगदम्बा प्रसाद शुक्ल ने किया। भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती के चित्र पर माल्यार्पण के बाद समिति के संयोजक गजेन्द्र प्रताप सिंह ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने समिति के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ कवि रामनाथ त्रिपाठी रसिकेश की सरस्वती वंदना से हुआ। कवि मोहनजी शुक्ल द्वारा भगवान शिव का भजन प्रस्तुत किया गया।

सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गंगा प्रसाद ठाकुर व अशोक सिंह की टीम ने लोकभाषा के भजन व कजरी गीतों की प्रस्तुति द्वारा सबका मन मोह लिया। समिति के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुषमा विश्वकर्मा ने मनोहारी कजरी गीतों की प्रस्तुति किया। सुचिता मिश्र ने संस्कृत भाषा में स्वरचित कजरी गीत सुनाकर मंच को उंचाई प्रदान किया। नीलम श्रीवास्तव, बिंदू शर्मा सहित कई लोगों ने अपने गीत प्रस्तुत किये। डॉ. राजेंद्र शुक्ल, डॉ वीरेन्द्र कुसुमाकर आदि कवियों ने अपनी काव्य रचनायें प्रस्तुत कर श्रोताओं की तालियां बटोरी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर ने लोकभाषा की परंपरा को कायम रखने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि पूर्व आईजी सी पी सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से नई प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलता है। उन्होंने अवंतिका विकास समिति के कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए भविष्य में इस तरह के आयोजन कराने पर जोर दिया। कार्यक्रम में समिति के महामंत्री अखिलेश सिंह, मंत्री सुनील साहनी, कोषाध्यक्ष अनिल द्विवेदी, रणवीर सिंह, गोविंद चौहान, अखिलेश मिश्र, बी बी दुबे, सुनील श्रीवास्तव, रमानंद शुक्ल, शोभा शुक्ला, आस्था पाण्डेय, पूजा तिवारी, प्रीति मिश्रा आदि मौजूद रहे।

# श्रीराम कथा महोत्सव का भव्य शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। आज नगर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की दिव्य कथा का शुभारंभ एक भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। यह

पावन यात्रा एसडी कॉलेज मार्केट से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए शिव चौक पहुंची तत्पश्चात शिव चौक से पुनः एचडी कॉलेज मार्केट में सम्पन्न हुई। श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत इस यात्रा में नगर की महिलाओं और युवाओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। सिर पर कलश लिए हुए श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक था। नगर के कोने–कोने से भक्तों ने इस आयोजन में भाग लेकर नगर को राममय बना दिया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथि एवं सम्मानित व्यक्ति भी उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल , पूर्व विधायक अशोक कंसल , प्रसिद्ध उद्योगपति भीमसेन कंसल , राकेश कंसल , योगेंद्र सिंघल ,श विजय तागरा अनिल नामदेव , अनुराग गर्ग श्याम जसूजा , रक्षित नामदेव , अचिन कंसल तथा नगर के अनेकों गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। आयोजन समिति की ओर से नगरवासियों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्रीराम की कथा का श्रवण करें और जीवन को आध्यात्मिक दिशा में प्रेरित करें।

# हिंसक वीडियो फॉरवर्ड करने वाले दो आरोपियों को भेजा जेल

भोपा। सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक पोस्ट को वायरल करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दोनों आरोपियों ने साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाडने के उद्देश्य से पाकिस्तान के नृशंस हत्याकांड की वीडियो व भडकाऊ ऑडियो को सोशल मीडिया पर प्रसारित किया था। भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि बीते दिनों सोशल मीडिया ग्रुप्स पर एक लोमवर्षक, खतरनाक एवं सनसनीखेज वीडियो व ऑडियो वायरल की गई थी, जिसमें एक घर में महिला व छोटे छोटे बच्चों की लाख खून में लथपथ पडी हुई थी। साथ ही एक ऑडियो डाली जा रही थी, जिसमें यह कहा जा रहा था कि यह वीडियो जनपद मुरादाबाद के ग्राम मंसूरपुर थारक नंगला के पास की है, जहां

बजरंग दल के कुछ लोग मुस्लिम घरों में घुसकर लोगों के साथ हिंसा कर रहे हैं। भोपा पुलिस ने इंडियन ग्रुप, जिला पंचायत वार्ड 22 जौला ग्रुप व मुस्लिम राजपूत संगठन जौला ग्रुप में शेयर करने वाले आरोपी फुरकान निवासी जौला थाना बुढाना व राणा व्हाटसअप ग्रुप व दो अन्य को शेयर करने वाले आरोपी सलीम निवासी जौला, थाना बुढाना को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया।

# ककरौली क्षेत्र में अपहरण की अफवाह से मचा हड़कंप

मोरना। बरसाती अफवाहें थमने का नाम नहीं ले रही हैं।ककरौली क्षेत्र मे रात्रि मे ड्रोन देखे जाने के बाद सुबह को बच्चे के अपहरण कि अफवाह फैल गयी। पुलिस ने कुछ देर बाद ही जांच कर घटना को फर्जी पाया। जिसके बाद पुलिस ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने कि चेतावनी दी है।

ककरौली गांव तथा गांव कमहेड़ा मे अज्ञात बाईक सवार द्वारा किसी बच्चे के अपहरण करने की सूचना से हड़कंप मच गया। कमहेड़ा गांव मे दो बाइक सवारो द्वारा किसी बच्चे के अपहरण कर ले जाने की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी गयी जिसके बाद हड़कंप मच गया गांव पहुंची पुलिस घटना की जांच मे जुट गयी। जानकारी करने पर मामला फर्जी पाया गया।वहीं पुलिस ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गयी है। वहीं रविवार की रात क्षेत्र के गांव ढासरी मे भी ड्रोन दिखाई देने से सनसनी फैल गयी थी।

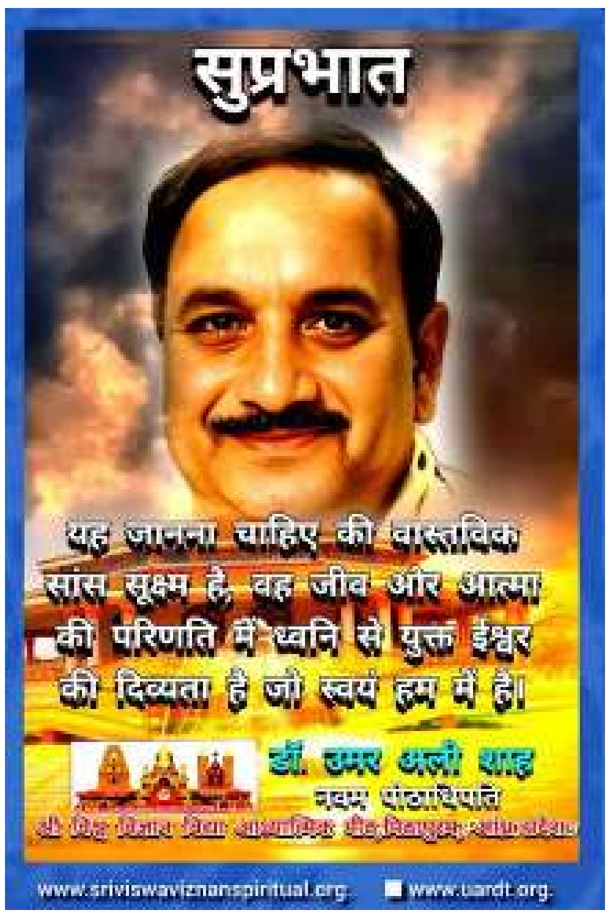


## देशी आम

(कुण्डलिया)

ईश्वर का उपहार है,आकर्षित कर ध्यान।
देशी आम बचाइए, हो ऐसा अभियान।
हो ऐसा अभियान,बताये इसके गुण को।
है औषधि–भंडार, स्वाद में भाए सबको।
सुन लो कहें प्रदीप,छाँव का सागर बनकर।
रचता है इतिहास, फलों का बनकर ईश्वर।।

देशी आम प्रजाति का,समझो तनिक महत्व।
जिससे सारे आम ने, पाया पोषक तत्व।
पाया पोषक तत्व,और वह भाषा मीठी।
जिससे हुई मिठास, आम की बहुत रसीली।
सुन लो कहें प्रदीप,न कह इसको परदेसी।
राजा होकर आम, बना यह पहला देशी।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## सीएमपी डिग्री कॉलेज में विशेष व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज। बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम, विधि संकाय, सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में अकादमिक पब्लिकेशन कमेटी की ष्अकादमिक राइटिंग गाइडेंस सीरीज़ष पहल के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस सत्र में पाठ्यक्रम के सभी सेमेस्टरों के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। सत्र का केंद्रबिंदु ''एपीए 7वां संदर्भ शैली (।च। 7जी ब्पजंजपवद ैजलसम)'' था, जिसमें पुस्तकों, जर्नल लेखों, सोशल मीडिया स्रोतों, ऑनलाइन स्रोतों आदि को

असाइनमेंट और शोध–पत्रों में सही तरीके से संदर्भित करने के सिद्धांत और व्यवहारिक पहलुओं पर चर्चा की गई। इस सत्र की मुख्य वक्ता अकादमिक पब्लिकेशन कमेटी की सदस्य एवं संकाय सदस्य श्रीमती अनुश्री पांडे थीं। यह पहल अकादमिक पब्लिकेशन कमेटी के सदस्योंकृश्री विनय त्रिपाठी, श्री पियूष कुमारेंद्र, सुश्री निवेदिता कौंडिन्य और श्रीमती अनुश्री पांडेकृ द्वारा, ''बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह'' के मार्गदर्शन में तैयार की गई है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को मेंटरशिप प्रदान करना है, ताकि वे शैक्षणिक शोध–पत्र लिखने की कला में दक्ष बन सकें। यह पहल प्राचार्य ''प्रो. अजय प्रकाश खरे'' द्वारा निर्धारित 'कुशल विधि–व्यवसायिक तैयार करने' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है।

## महिलाओं ने बढ़ाई लम्बी पींगे, तीज का उठाया आनन्द

**मुज़फ्फरनगर सुरेंद्र नगर में रविवार को हरियाली तीज का पर्व परम्परागत तरीके के साथ सौउल्लास मनाया गया**

सुप्रसिद्ध समाज सेविका डोली बंसल ने सभी महिलाओं को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी। महिलाओं ने झूला झूलकर लम्बी पींगे बढ़ाई और हरियाली तीज का भरपूर आनन्द उठाया। जगह–जगह पेड़ों पर झूले डाले गये थे। यहां पर मोहल्ले–पड़ौस की महिलाएं इकट्ठा हुई और उन्होंने लोक गीतों के साथ झूलकर हरियाली तीज का जमकर लुफ्त उठाया। उनके द्वारा कच्चे नीम की निंबौली सावन जल्दी आईयो रे, बाबा मेरे दूर मत ब्याहियो–दादी नहीं बुलाने की, बेटी दूर ब्याहूंगा सिर पे गठरी लाऊंगा, रेल चले सरकारी–बेटी झटपट बुलाऊंगा, कच्चे नीम की

निंबौली सावन जल्दी आईयो रे आदि सावन के गीत गाये। इसके अलावा हरियाली तीज पर महिलाओं में सजने संवरने का काफी शौक रहता है। इसको लेकर ब्यूटी पार्लर पर दिनभर महिलाओं की भीड़ लगी रही। किसी ने हाथों पर मेहंदी रचवाई तो किसी ने फैशियल कराई। सुबह से लेकर शाम तक यहां पर महिलाओं का आना–जाना लगा रहा। ब्यूटी पार्लर संचालिकाएं भी इतनी व्यस्त हो गई थी कि उन्हें खाना खाने तक का समय नहीं मिला। इस अवसर पर शालिनी अग्रवाल, मिनी गोयल, मधु त्रिपाठी ,रीना गोयल ,रजनी पालीवाल ,श्रद्धा अग्रवाल ,शिखा जैन, नीता शर्मा, दीपशिखा मित्तल, कविता गोयल, राज पुंडीर, रेखा शर्मा, संतोष गर्ग ,सत्या अहलावत आदि महिलाओं ने हरियाली तीज त्यौहार में एक दूसरे को बधाइयां दी।

## सम्पादकीय.......

# ट्रंप की सनक या तानाशाही

अपने अनिश्चित स्वभाव के अनुरूप, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था के साथ बहुत अधिक खिलवाड़ किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान प्रवासी विरोधी बनता जा रहा है। ट्रंप की टेक कंपनियों को उनकी ताजा चेतावनी इसी का प्रमाण है। जिसे राष्ट्रपति चुने जाने के लिए भारत में हवन पूजन किया गया हो। जिसे देश के प्रधानमंत्री का बेहतर मित्र कहा जा रहा हो वह राष्ट्रपति भारत के खिलाफ लगातार आग उगल रहा है।हालांकि ट्रंप की ऐसी हर कोशिश उनके ही देश को नुकसान पहुंचाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद को संभाला है, भारत के खिलाफ ही काम कर रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगला और कहा कि अब वो दिन लद गए जब अमेरिकी कंपनियां भारतीयों को नौकरी दें। इससे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों को एक सख्त मैसेज दिया है, जिसमें भारत से हायरिंग करने को मना किया है। ऐसे कई फैसले जो उन्होंने भारत को हानि पहुचाने वाले लिए है। दूसरे कार्यकाल की शुरुआत ही धमकियों से करने वाले ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। उनका कहना है कि 'हमारी कई बड़ी टेक कंपनियों ने अमेरिकी आजादी का फायदा उठाते हुए चीन में फैक्ट्रियां बनाईं, भारत में कर्मचारियों को नौकरी दी और आयरलैंड में मुनाफा बचाया...।' कुछ अरसा पहले ही ट्रंप ने एपल को चेतावनी दी थी कि अगर उसने भारत में प्रॉडक्शन किया, तो आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया जाएगा। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका में बिकने वाला हर सामान अमेरिका में ही बने और उसे बनाएं भी अमेरिकी ही, लेकिन क्या यह संभव है? ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में जब मुक्त व्यापार की बात हो रही है, तब कोई अर्थव्यवस्था खुद में सिमट कर नहीं रह सकती। और सबसे अहम बात, अमेरिकी कंपनियां इसलिए भारत या चीन में प्लांट लगाना चाहती हैं, क्योंकि यहां मैन्युफैक्चरिंग सस्ती है। इसी तरह, सिलिकॉन वैली या दूसरी अमेरिकन इंडस्ट्रीज में भारतीयों ने अपनी बुद्धिमत्ता से जगह बनाई है। दर्जनों विश्व विख्यात कम्पनी के मुख्यकर्ताधर्ता भारतीय मूल के है। सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक एम्प्लॉई भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्युन 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में टॉप पोजिशन पर भारतीय बैठे हैं। ये भारतीय अमेरिकी इकॉनमी के इंजन हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे और इनकी टोटल वैल्यू 195 अरब डॉलर आंकी गई थी। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। इसी तरह, अमेरिका की आबादी में 1.5 वाले भारतीय 5–6ः इनकम टैक्स अदा करते हैं।अमेरिकी की टेक इंडस्ट्री या सिलिकॉन वैली आज अगर वैश्विक स्तर पर राज कर रही है, तो इसमें प्रवासियों का बड़ा योगदान है। दुनियाभर की मेधा, खासकर भारत की, ने मिलकर इस इंडस्ट्री को सींचा है। इलॉन मस्क की टेस्ला को जब ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर में सफलता मिली, तो उन्होंने भारतीय मूल के एक रोबोटिक्स इंजीनियर अशोक एल्लुस्वामी का ही नाम पहले लिया था। ट्रंप उस वैश्वीकरण को खत्म करने की बात कर रहे हैं, जिससे सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को ही हुआ है। उनके पास इंडस्ट्री की मांग को पूरा करने लायक वर्कफोर्स नहीं है। भारत के बिना उनका 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' पूरा नहीं हो सकता।वैसे भी जब से ट्रप ने पद सम्हाला है तब से संयुक्त राज्य अमेरिका का व्यापार परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में 20 से ज्यादा देशों में अपने टैरिफ अभियान का विस्तार कर रहे हैं। 50 प्रतिशत तक के प्रतिशोधात्मक शुल्कों के साथ, ऑटोमोबाइल और एल्युमीनियम से लेकर तांबा और ई–कॉमर्स तक, सभी क्षेत्र इस टकराव में फँस गए हैं। इसके लिए कनाडा, ब्राजील और भारत जैसे देश छूट हासिल करने के लिए 1 अगस्त की समय सीमा के खिलाफ दौड़ रहे हैं। जबकि व्यवसाय और उपभोक्ता इसके बाद के झटकों के लिए तैयार हैं। यानि इतना तो तय है कि या तो ट्रम्प किसी सनक का शिकार हो गए है फिर उनको तानाशाही करने में मजा आ रहा है। लेकिन हिन्दुस्तान में यह कहावत आम है कि अकेल चना भाड़ नही फोड़ सकता। इसका आभास जल्द ही ट्रम्प को हो जाएगा।

# अमेरिकी संघीय न्यायालय ने जाति-उत्पीड़ितों के नागरिक अधिकारों की पुष्टि करते हुए ऐतिहासिक निर्णय सुनाया

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने आरोप लगाया था कि सीआरडी द्वारा जाति–विरोधी नीतियों को लागू करने से सभी हिंदू अमेरिकियों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।*

शुक्रवार, 18 जुलाई को, कैलिफोर्निया के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय, एक संघीय न्यायालय, ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसने राज्य कार्रवाई के माध्यम से जाति–उत्पीड़ित व्यक्तियों की रक्षा करने के कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग (सीआरडी) के संवैधानिक अधिकार को निर्णायक रूप से बरकरार रखा। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने आरोप लगाया था कि सीआरडी द्वारा जाति–विरोधी नीतियों को लागू करने से सभी हिंदू अमेरिकियों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। अदालत ने आरोप को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि एचएएफ के पास न तो कोई ठोस आधार है और न ही मामले को आगे बढ़ाने के लिए कोई ठोस तर्क। विशेष रूप से, न्यायाधीश ने एचएएफ के इस पाखंड पर ध्यान दिया कि वह न केवल यह दावा कर रहा है कि जाति हिंदू धर्म का अभिन्न अंग नहीं है, बल्कि यह भी दावा कर रहा है कि जाति–आधारित सुरक्षा हिंदू धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन करती है।यह फैसला न केवल एक कानूनी जीत हैकृ यह नागरिक अधिकारों और सामाजिक न्याय की एक बड़ी जीत है। इसके चार महत्वपूर्ण परिणाम हैं। अदालत ने फिर से पुष्टि की कि सीआरडी के पास भेदभाव का सामना कर रहे जाति–उत्पीड़ित व्यक्तियों की ओर से कानूनी कार्रवाई करने का संवैधानिक अधिकार है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि सीआरडी का मुकदमाकृजैसे कि सिस्को मामले मेंकृएक वैध राज्य कार्रवाई है। इसने इस झूठे दावे को खारिज कर दिया कि विभाग ने केवल एक निजी वकील के रूप में काम किया। अदालत ने फैसला सुनाया कि सीआरडी की कार्रवाई हिंदू अमेरिकियों के धार्मिक अधिकारों, समान सुरक्षा या उचित प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं करती है। इसने एचएएफ के तर्क को पूरी तरह से अविश्वसनीय बताया। न्यायालय ने एचएएफ के सभी हिंदू अमेरिकियों का प्रतिनिधित्व करने के व्यापक दावे को खारिज कर दिया, यह देखते हुए कि संगठन ऐसी कोई वास्तविक गतिविधियाँ, वित्त पोषण तंत्र, या व्यापक हिंदू अमेरिकी समुदाय के साथ जुड़ाव प्रदर्शित करने में विफल रहा जो उसे इस मामले में खड़ा कर सके। 18 जुलाई के इस फैसले से एचएएफ और आठ अन्य व्यक्तियों द्वारा सितंबर 2024 में सीआरडी के निदेशक श्री केविन किश के खिलाफ दायर दूसरी संशोधित शिकायत (एसएसी) को खारिज कर दिया गया। सितंबर 2023 में दायर एक समान मुकदमा भी खारिज कर दिया गया था, हालाँकि वादी को संशोधन की अनुमति दी गई थी। इस बार, न्यायालय ने उसे भी खारिज कर दिया, यह लिखते हुए कि एचएएफ के तर्क इतने कमजोर थे कि संशोधन इस मामले में निरर्थक होगा।कैलिफोर्निया स्थित जाति–विरोधी और सामाजिक न्याय संगठन, अंबेडकर किंग स्टडी सर्कल (एकेएससी) के संयोजक कार्तिकेयन षणमुगम ने इस फैसले को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। श्री षणमुगम ने कहा, यह एक ऐतिहासिक जीत है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि जातिगत भेदभाव नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है और इसे धार्मिक स्वतंत्रता के दावों से नहीं बचाया जा सकता। अदालत का फैसला स्पष्ट करता है कि नागरिक अधिकार कानूनों को लागू करना धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन नहीं है। यह फैसला एक कड़ा संदेश देता हैरू जाति–आधारित बहिष्कार और दुर्व्यवहार का हमारे संस्थानों में कोई स्थान नहीं है, और इससे प्रभावित लोग अमेरिका में कानून के तहत न्याय की मांग कर सकते हैं। दलित सॉलिडेरिटी फोरम की अध्यक्ष डॉ. रोजा सिंह ने कहा अमेरिका में जाति–आधारित उत्पीड़न के दशकों पुराने अभियान का आखिरकार सामना किया जा रहा है। कैलिफोर्निया के पूर्वी जिले के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के जिला न्यायालय का यह फैसला इस बात की पुष्टि करता है कि जातिगत भेदभाव नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि जाति–उत्पीड़ित समुदाय सुरक्षा, सम्मान और समानता के साथ रह सकें और काम कर सकें। हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स के पश्चिमी क्षेत्रीय संयोजक विवेक केम्बयान ने आगे कहा"हिंदू अति–दक्षिणपंथी समूहों ने नागरिक अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की भाषा को हथियार बनाना जारी रखा है, लेकिन वे अदालतों में बुरी तरह विफल होते रहे हैं। हमें खुशी है कि व्यापक अति–दक्षिणपंथी विचारधारा वाले उनके मित्रों से उधार लिए गए ये झूठे तर्क लगातार विफल होते जा रहे हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन और उसके दक्षिणपंथी अतिवादी सहयोगी हिंदुओं की बात नहीं करते हैं, और उनका यह तर्क कि जाति का हिंदू धर्म से कोई लेना–देना नहीं है, बेईमानी और नुकसानदेह है। हिंदुओं के रूप में, हमें हिंदू धर्म की हिंसक जाति व्यवस्था से होने वाले ऐतिहासिक और निरंतर नुकसान का ईमानदारी से आकलन करना चाहिए, यही कारण है कि हम जातिगत भेदभाव के विरुद्ध नागरिक अधिकारों के प्रवर्तन का समर्थन करते हैं।" भारतीय अमेरिकी मुस्लिम परिषद के अध्यक्ष जवाद अहमद ने कहा यह निर्णय उस बात की एक महत्वपूर्ण पुष्टि है जो हम सभी जानते हैंरू कि सीआरडी का मुकदमा सभी के नागरिक अधिकारों और मानवीय गरिमा की पुष्टि के लिए था, और किसी भी समूह को उत्पीड़न के प्रणालीगत रूपों को दोगुना करने के लिए अपनी पहचान का हथियार नहीं बनाना चाहिए। भारतीय अमेरिकी मुस्लिम समुदाय इस निर्णय का जश्न मनाने में दलित और अन्य जाति–उत्पीड़ित समुदायों के साथ खड़ा है। यह निर्णय आशा की किरण है।

# झंझावातों की उलझन में मासूम किशोर मन

**संदीप जोशी**

दुनिया में भारत की गिनती एक युवा देश के रूप में होती है। भारत उन देशों में शुमार है जिसमें किशोरों की आबादी सर्वाधिक है। लेकिन देश का किशोर संक्रमण कालीन समाज की तमाम मानसिक चुनौतियों से जूझ रहा है। किशोरावस्था तेरह से उन्नीस साल के बीच मानी जाती है। यह समय एक युवा के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव का होता है। इस संवेदनशील समय में उसमें शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक बदलावों के साथ तमाम मनोवैज्ञानिक परिवर्तन होते हैं। उसके सामने अलग पहचान गढ़ने, जीवन मूल्यों के अंगीकार और भविष्य की नींव तैयार करने की चुनौती होती है। यह भविष्य का नागरिक तैयार करने का भी वक्त होता है। इस संवेदनशील समय में यदि उसे सही गाइडेंस, भावनात्मक संबल, रचनात्मक सहयोग व भविष्य के लिये आश्वस्ति मिले तो वह निखर जाता है। अन्यथा वह आत्मघात, हिंसा, अपराध व भटकाव की अंधी गलियों की तरफ बढ़ सकता है। हाल के दिनों में किशोरों में बढ़ती आत्मघात की प्रवृत्ति, हिंसा, अपराधों की ओर झुकाव व नशे के दलदल में उतरने के कारकों को इसी नजरिये से देख सकते हैं। माना जाता है कि भारत में किशोरों की आबादी बीस प्रतिशत है। भारत का सौभाग्य है कि तमाम विकसित देशों के मुकाबले हमारे पास बड़ी युवा शक्ति है। लेकिन हम उनकी क्षमताओं का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। उनकी मानसिक व स्वास्थ्य समस्याओं को संबोधित नहीं कर पा रहे हैं। इस अवस्था में किशोरों में तमाम शारीरिक परिवर्तन होते हैं। किशोर पुरुषत्व की ओर, तो किशोरियां स्त्रीत्व की ओर उन्मुख होती हैं। लेकिन इन बड़े बदलावों के प्रभावों को समझाने को हम संवेदनशील नहीं होते। जहां परिवार से संवाद नहीं हो पाता, वहीं बाहर विश्वसनीय माध्यम उन्हें नजर नहीं आता। तभी किशोर स्वास्थ्य व मनोविज्ञान से जुड़े विशेषज्ञ 'आई सपोर्ट माई फ्रेंड्स' जैसे रचनात्मक अभियान की जरूरत बताते हैं। संचार क्रांति और तकनीकी प्रगति से हासिल ज्ञान मौजूदा समय में एक भ्रमजाल भी गढ़ रहा है। ऑनलाइन कार्यक्रमों का मायाजाल किशोरों में भटकाव की वजह बना है। यौन इच्छाओं के विस्फोट को बढ़ावा देने वाले सोशल मीडिया के कुछ प्लेटफॉर्म तथा इंटरनेट पर सहज पहुंच ने किशोरों के भटकाव को बढ़ाया है। वयस्कों से जुड़ी सामग्री तक किशोरों की सरल पहुंच ने स्थिति को गंभीर बनाया है। बड़ी संख्या में किशोर साइबरबुलिंग का भी शिकार होकर आत्मविश्वास खोते नजर आते हैं। यौन शिक्षा के अभाव में इससे जुड़े अपराधों में वृद्धि तथा कम उम्र का मातृत्व इस संकट का दूसरा पहलू है। जिससे किशोरियों को रक्ताल्पता जैसी समस्याओं से भी दो–चार होना पड़ता है। वहीं तमाम अन्य कारक हैं जो किशोरों को आत्मघात की ओर उन्मुख कर रहे हैं। उनकी जल्दीबाजी और तेजी सड़क दुर्घटनाओं के रूप में सामने आती है। वहीं नशे की तरफ बढ़ते कदम भी किशोरों के जीवन में उथल–पुथल व पारिवारिक अशांति को दर्शाते हैं। ऐसे में पर्याप्त काउंसलिंग न होना तथा मानसिक स्वास्थ्य का समय रहते इलाज न होना समाज के लिये घातक साबित हो सकता है। एक मुख्य कारण किशोरों की समस्याओं की तरफ समाज में जागरूकता का अभाव भी है। हाल के वर्षों में संक्रमणकालीन दौर में पीढ़ियों का अंतराल तेजी से बढ़ा है। जो पुरानी पीढ़ी व नई पीढ़ी के बीच टकराव का सबब भी बना। ऐसे में संस्कारों की पहली इकाई परिवार और स्कूलों में शिक्षकों को किशोरों की समस्याओं के प्रति गंभीर पहल करनी चाहिए। निस्संदेह, घर की परिस्थितियां किशोरों का व्यक्तित्व गढ़ने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। किशोर–किशोरियों के सशक्तीकरण में परिवार व शिक्षक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। समाज व परिवार इस दिशा में सार्थक पहल करके किशोरों के व्यक्तित्व में संतुलन स्थापित कर सकते हैं। निश्चय ही इससे हम देश को बेहतर नागरिक देकर स्वस्थ समाज की आधारशिला रख सकते हैं।आज किशोर जिस तेजी से हिंसा व अपराध की अंधी गलियों में उतर रहे हैं, उसके मूल में इस संक्रमणकालीन दौर में इस उम्र के बच्चों का भटकाव भी है। जिसमें पारिवारिक संरचना की विसंगतियां भी निहित हैं। संयुक्त परिवारों का बिखरना और एकल परिवारों में आर्थिक दबावों के चलते मां–बाप का कामकाजी होना बच्चों के जीवन में रिक्तता पैदा करता है। जटिल सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियां स्थिति को विकट बनाती हैं। असुरक्षाबोध किशोर मन पर गहरा असर डालता है। सामाजिक ताने–बाने में बिखराव व नैतिक मूल्यों का पराभव संकट को गहरा कर देते हैं। संवाद के अभाव में किशोरमन की उलझनों का समाधान नहीं मिलता। यह संकट उन परिवारों में ज्यादा गंभीर हो जाता है जहां माता–पिता के संबंधों में टकराव है। माता–पिता की लड़ाई किशोरों के कोमल मन में गहरी नकारात्मकता भर देती है। भविष्य के प्रति यह असुरक्षा बोध किशोरों को आक्रामक बना देता है। जो कालांतर हिंसा की प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। हम यह विचार करें कि किशोरों को संरक्षण देने वाली पारिवारिक संस्था किस सीमा तक किशोरों का व्यक्तित्व गढ़ने में सहायक है। उसकी रचनाशीलता को बढ़ाने और व्यक्तित्व विकास में परिवार कैसी भूमिका निभा रहा है। क्या माता–पिता किशोरों के सर्वांगीण विकास में सहायक गुणात्मक समय दे पा रहे हैं? जिससे वे नकारात्मकता से दूर रह सकें। निश्चय ही किशोरावस्था किसी भी किशोर के जीवन में बेहद संवेदनशील समय होता है। इस दौर में जैसी इबारत कोरी स्लेट पर लिख दी जाती है, वह उसके व्यक्तित्व का निर्धारण कर देती है। यही उसके शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक संवेगों को संबल देता है। दरअसल, हमारे शैक्षिक परिदृश्य में परीक्षाओं का दबाव व उच्च अंक लाने की होड़ भी किशोरों के व्यक्तित्व के गंभीर संकट के मूल में है। हर किशोर अपने आप में अलग व्यक्तित्व होता है, लेकिन हम उसके व्यक्तित्व का निर्धारण परीक्षाओं में लाए अंकों से करने लगते हैं। यदि हम किशोर के मौलिक गुणों का मूल्यांकन करके उसके कैरियर की दिशा निर्धारित करें तो वह अपना बेहतर रिजल्ट दे सकता है। लेकिन हम सबको एक ही तराजू में तोलने का प्रयास करते हैं। जिससे वह जीवन पर्यंत एक द्वंद्व से जूझता रहता है। उसके सामने व्यक्तित्व गढ़ने व भविष्य की दिशा निर्धारण की चुनौती होती है। इसमें असफलता मिलने पर उसे लगता है कि उसका जीवन निरर्थक हो चला है। यही वजह है कि बड़े कोचिंग संस्थानों व उच्च शिक्षा संस्थानों में किशोरों की आत्महत्या की खबरें आती हैं। दरअसल, हर किशोर अपने आप में अलग प्रतिभा होता है, उसे एक तराजू में तोलना नादानी ही है। वक्त की विडंबना यह भी है कि समाज में यह धारणा बलवती होने लगी है कि किशोर के इंजीनियर–डॉक्टर न बन पाने पर उसका जीवन सारहीन हो जाता है। हकीकत यह है कि मानविकीय संकाय के छात्र भी अपने जीवन में उच्च लक्ष्य हासिल करते हैं। वास्तव में शिक्षा व कौशल विकास के तमाम क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां सफलता के नये मानक संभव हैं। दरअसल, बदलते वक्त के साथ किशोर मन को पढ़ने की जरूरत है। अभिभावकों को उनके साथ खुले संवाद और मित्रवत व्यवहार से मन की गांठ को खोलना चाहिए। सहज व्यवहार उन्हें सार्थक बातचीत के लिये प्रोत्साहित करेगा। हमें उनकी मानसिक समस्याओं को समय रहते पहचानते हुए कारगर उपचार की व्यवस्था भी करनी होगी। अभी वह सोच विकसित नहीं हो पायी है कि जो किशोर के मनोवैज्ञानक पक्ष को संवेदनशील ढंग से महसूस कर सके। किशोरों की शारीरिक सक्रियता और खेलों में सक्रिय भागीदारी जहां शारीरिक स्वस्थ्य को बढ़ावा देगी, वहीं जीवन में जीत–हार से ऊपर उठने को भी प्रेरित करेगी। उनके साथ भविष्य की तमाम चुनौतियों व शारीरिक बदलाव को लेकर चर्चा की जरूरत होती है।

# सर्वाधिक विवादास्पद राज्यपाल और उपराष्ट्रपति रहे हैं धनखड़

**योगेंद्र योगी**

कार्यकाल समाप्ति से दो साल पहले उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ का कार्यकाल सर्वाधिक विवादों से भरा रहा है। देश में इतने विवाद उपराष्ट्रपति और राज्यपाल पद पर रहते हुए किसी के साथ नहीं जुड़े, जितने धनखड़ के नाम दर्ज हैं। इस पद पर रहते हुए धनखड़ पर कई तरीके के आरोप लगे। उपराष्ट्रपति पद से पहले पश्चिम बंगाल में राज्यपाल रहते हुए भी धनखड़ विवादों से घिरे रहे। केंद्र की भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त रवैया अपनाने वाले धनखड़ को ईनाम के तौर पर उपराष्ट्रपति पद से नवाजा था। इसके बावजूद कि धनखड़ का न तो भारतीय जनता पार्टी और न ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से कभी गहरा सरोकार रहा। जगदीप धनखड़ 2019 से 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका हमेशा सीएम ममता बनर्जी से टकराव बना रहा। धनखड़ ने कई बार सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार की आलोचना की। धनखड़ ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और शासन की विफलता के आरोप लगाए। उनके इस रुख को विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण माना, क्योंकि एक संवैधानिक पद पर रहते हुए उनकी टिप्पणियां सरकार के खिलाफ थीं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में धनखड़ का विपक्षी दलों के साथ रिश्ता हमेशा तनावपूर्ण रहा। विपक्ष ने उन पर पक्षपात और सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया। राज्यसभा अध्यक्ष के रूप में धनखड़ पर पक्षपात के आरोप लगे। विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया कि धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही में पक्षपात किया और भाजपा सदस्यों को प्राथमिकता दी जबकि विपक्ष की आवाज को दबाया। विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कदम करार दिया था। देश में ऐसा पहली बार हुआ जब विपक्षी दलों ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। हालांकि इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल सकी। विपक्षी दलों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी और वाम दलों के 60 से ज्यादा सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 67(ब) के तहत धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव में उन्हें सरकार का प्रवक्ता कहा गया और निष्पक्षता की गंभीर कमी बताई गई। जनवरी 2023 में धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की मूल संरचना सिद्धांत के पुनरावृत्ति के संदर्भ में बयान दिया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा था कि संसद के बनाए कानूनों को अगर अदालत रोक देती है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा होगा। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति के बयान पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। विपक्ष ने इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया। जस्टिस वर्मा के घर पर कैश बरामदगी मामले में धनखड़ के बयान के बाद भी राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को लेकर बहस छिड़ गई थी धनखड़ ने कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द नहीं किया होता तो बात कुछ अलग होती। गौरतलब है कि एनजेएसी को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर किया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर 2020 दिसंबर में भी धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश संसद की संप्रभुता से समझौता है और जनादेश का अपमान है। मार्च 2023 में धनखड़ ने शैक्षणिक संस्थानों और छात्र राजनीति पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा था कि कुछ विश्वविद्यालय देश विरोधी विचारधाराओं की शरणस्थली बन चुके हैं। उपराष्ट्रपति के इस बयान को जेएनयू और कुछ अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की ओर इशारा माना गया। विपक्षी दल, जैसे सीपीआई और सीपीएम ने उपराष्ट्रपति के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति की यह भाषा संघी एजेंडे की झलक देती है। छात्र संगठनों ने धनखड़ से बयान वापस लेने की मांग की थी। किसान आंदोलन के दौरान जगदीप धनखड़ ने किसानों की आलोचना की। उन्होंने कहा था कि किसान आंदोलन के नाम पर सड़कों पर बैठ कर राष्ट्र को बदनाम कर रहे है, वे किसान नहीं है। धनखड़ की इस टिप्पणी पर किसान संगठनों और खाप संगठनों ने आपत्ति जताई। अक्टूबर 2024 में उन्होंने सीबीआई और ईडी के समर्थन में बयान दिया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि, सीबीआई और ईडी पर सवाल उठाना भारत के न्यायिक तंत्र को कमजोर करता है। उनके इस बयान को विपक्षी दलों ने जांच एजेंसियों की मनमानी कार्रवाई का समर्थन के तौर पर माना। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव 27 मार्च 2025 को लाया गया। इस विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को धनखड़ ने खारिज कर दिया। अमित शाह ने आरोप लगाया था कि यूपीए शासनकाल में पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) पर सोनिया गांधी का नियंत्रण था। धनखड़ ने एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए इसे सत्यापित बयान बताया। अगस्त 2024 में महिला गरिमा पर बहस के दौरान राज्यसभा में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने धनखड़ की बोलने की शैली और हाव–भाव पर आपत्ति जताई। बच्चन ने कहा कि उनकी टोन अनुचित है। इसके जवाब में धनखड़ ने कहा कि आप सेलिब्रिटी हो सकते हैं लेकिन सदन की मर्यादा समझिए। दिसंबर 2023 में उपराष्ट्रपति धनखड़ पर अधिवेशन में विपक्षी सांसदों को रोकने का आरोप लगा था। विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि संसद के शीत सत्र में विपक्षी सांसदों के साथ पक्षपात किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा था कि यह उपराष्ट्रपति नहीं, भाजपा प्रवक्ता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। सभापति धनखड़ संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही का संचालन करते हुए लोकतंत्र को खतरा वाला बयान दिया। जिसे लेकर जमकर विवाद हुआ। उन्होंने कहा था कि कुछ लोग लोकतंत्र को खत्म करने में लगे हैं और उन्हें संसद में नहीं देशद्रोहियों के कटघरे में होना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान इशारे के तौर पर विपक्ष की संसद में बहिष्कार रणनीति के संदर्भ में दिया गया। कई विपक्षी नेताओं ने असहमति जताते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र में असहमति को दबाने की कोशिश है। धनखड़ अपने कार्यकाल के दौरान संवैधानिक संस्थानों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर अपनी टिप्पणियों के लिए भी चर्चा में रहे। उन्होंने आरएसएस को वैश्विक थिंक टैंक और राष्ट्र निर्माण में निर्विवाद भूमिका वाला संगठन बताया, जिसे विपक्ष ने भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा के रूप में बताया। राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ के बार–बार राजस्थान दौरे को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा था कि शेखावत साहब भी उपराष्ट्रपति बने थे। लेकिन उन्होंने कहा था कि राजस्थान मेरा घर है। यहां कोई प्रोटोकॉल नहीं होगा।

# सैक्रेड गेम्स से सन ऑफ सरदार 2 तक, कुब्रा सैत का बेखौफ, बेबाक सफर

> कुब्रा पहली बार सैक्रेड गेम्स में कुकू का किरदार निभाकर न सिर्फ लोगों का ध्यान खींचा बल्कि दिलों को भी छू लिया। यह किरदार सिर्फ बोल्ड नहीं था, उसमें एक गहराई, एक खामोश ताकत थी जिसे कुब्रा ने बड़ी संवेदनशीलता से पेश किया। यह परफॉर्मेंस केवल उनका ब्रेकआउट नहीं था। यह एक स्टेटमेंट थी। और तभी से कुब्रा ने साफ कर दिया कि वह आम रास्तों पर नहीं चलेंगी। वह अपना रास्ता खुद बनाएंगी। आने वाले वर्षों में उन्होंने थ्रिलर, इंडी फिल्मों, इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स और मेनस्ट्रीम मसाला सिनेमा की अलग-अलग दुनियाओं को एक्सप्लोर किया।

एक ऐसी दुनिया में जहाँ कलाकारों को अक्सर सीमाओं में बाँधने की कोशिश की जाती है, कुब्रा सैत ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। तेजतर्रार, बेबाक और बेखौफ। उन्होंने पहली बार सैक्रेड गेम्स में कुकू का किरदार निभाकर न सिर्फ लोगों का ध्यान खींचा बल्कि दिलों को भी छू लिया। यह किरदार सिर्फ बोल्ड नहीं था, उसमें एक गहराई, एक खामोश ताकत थी जिसे कुब्रा ने बड़ी संवेदनशीलता से पेश किया। यह परफॉर्मेंस केवल उनका ब्रेकआउट नहीं था। यह एक स्टेटमेंट थी। और तभी से कुब्रा ने साफ कर दिया कि वह आम रास्तों पर नहीं चलेंगी। वह अपना रास्ता खुद बनाएंगी। आने वाले वर्षों में उन्होंने थ्रिलर, इंडी फिल्मों, इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स और मेनस्ट्रीम मसाला सिनेमा की अलग–अलग दुनियाओं को एक्सप्लोर किया। हर बार अपने अभिनय में एक नया रंग जोड़ते हुए। चाहे वह शाहिद कपूर की देवा में सब–इंस्पेक्टर दीप्ति सिंह के रूप में उनका दमदार अवतार हो, एप्पल टीवी की फाउंडेशन जैसी अंतरराष्ट्रीय सीरीज, या बॉलीवुड की अतरंगी कॉमेडी फिल्में कुब्रा ने हर किरदार में अपनी रेंज और गहरी समझ का परिचय दिया। अब जब वह सन ऑफ सरदार 2 में एक बड़े, मेनस्ट्रीम एक्शन–कॉमेडी फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनने जा रही हैं, तो यह उनके करियर का एक नया मोड़ है। लेकिन वही पुराना जुनून, वही बेफिक्री। कुकू के किरदार से जिसने उन्हें एक नई पहचान दी, अब कुब्रा उसी जुनून से देसी मसालेदार सिनेमा में आग लगाने को तैयार हैं। उनके जन्मदिन पर आज हम सिर्फ एक अदाकारा का जश्न नहीं मना रहे हम एक ऐसी क्रांतिकारी कलाकार का जश्न मना रहे हैं जो हर फ्रेम में बदलाव लेकर आती है। कुब्रा सैत का सफर साधारण नहीं बेमिसाल है। और वह यहाँ किसी में घुलने नहीं आई, वह यहाँ पर्दे पर आग लगाने आई हैं एक बोल्ड किरदार के बाद दूसरा।

## डेढ़ महीने बाद इशिता वत्सल ने की लाडली के नाम की घोषणा, वीडियो में दिखाई नामकरण संस्कार की प्यारी झलक

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की प्यारी जोड़ी वत्सल सेठ और इशिता दत्ता हाल ही में दूसरी बार पेरेंट्स बने हैं। कपल ने 10 जून 2025 को अपने दूसरे बच्चे के रूप में एक प्यारी सी बेटी का स्वागत किया, जो अब करीब डेढ़ महीने की हो चुकी है। वहीं, अब इस जोड़ी ने अपनी बेटी का नामकरण संस्कार किया है और इस विशेष अवसर की एक खूबसूरत झलक फैंस के साथ शेयर की है। इशिता और वत्सल ने बेटी के नामकरण की एक प्यारी सी वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसमें दोनों अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ पारंपरिक समारोह में भाग लेते नजर आ रहे हैं। वहां मौजूद उनके करीबी पारंपरिक परिधानों में सजे–धजे नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक खूबसूरत चादर से बना पालना तैयार किया गया है, जिसमें वत्सल अपनी नन्हीं परी को सुलाते हैं। पालने को चारों ओर से परिवार के सदस्य थामे हुए हैं, और इशिता झूला झुला रही हैं। इस प्यारे दृश्य के बीच बैकग्राउंड में बेटी का नाम गुब्बारों में उभरा दिखाई देता है। इस नाम की घोषणा कपल ने बेहद क्रिएटिव और इमोशनल अंदाज में की। इशिता दत्ता और वत्सल सेठ ने अपनी बेटी का नाम वेदा रखा है।जैसे ही यह वीडियो और नाम सामने आया, सोशल मीडिया पर फैंस का प्यार उमड़ पड़ा। कई लोगों ने कमेंट किया कि उन्हें पहले से ही यह अंदाजा था कि बेटी का नाम वेदा ही होगा, क्योंकि यह नाम वायु के साथ एक सुंदर बैलेंस बनाता है वायु (हवा) और वेदा (ज्ञान)।वेदा संस्कृत भाषा का एक शुद्ध और आध्यात्मिक शब्द है, जो 'ज्ञान', 'बुद्धि' और 'पवित्र ग्रंथों' का प्रतीक है। यह शब्द मूलतः वेद से आया है, जो हिंदू धर्म के प्राचीनतम धार्मिक ग्रंथ हैं। बता दें, इससे पहले इशिता दत्ता और वत्सल सेठ एक प्यारे से बेटे के माता पिता है, जिसका नाम वायु है। अब बेटी के आने से कपल का परिवार पूरा हो गया है और उनकी खुशियों में और भी चार–चांद लग गए हैं।

## छावा एक्टर विनीत कुमार के घर शादी के 3 साल बाद गूंजी बच्चे की किलकारी, पत्नी रुचिरा ने दिया प्यारे से बेटे को जन्म

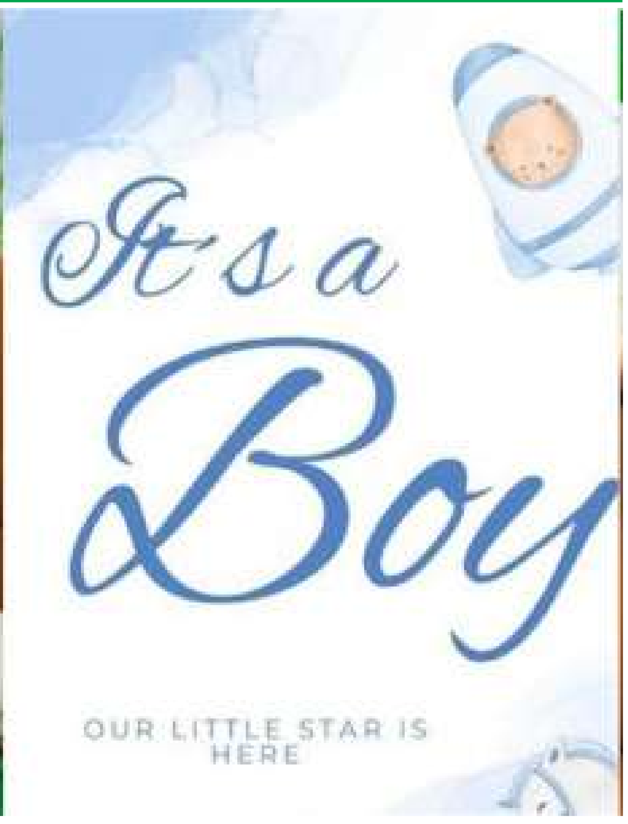


मनोरंजन जगत से हाल ही में एक खुशखबरी सामने आई है। छावा में नजर आए एक्टर विनीत कुमार सिंह पिता बन गए हैं। जी हां, एक्टर के घर शादी के तीन साल बाद बच्चे की किलकारियां गूंजी हैं। उनकी पत्नी रुचिरा ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। इस बात का खुलासा उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए किया है, जिसके बाद कपल को लगातार बधाइयां मिल रही हैं। छावा, जाट और सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव जैसी फिल्मों में नजर आ चुके विनीत कुमार ने 27 जुलाई को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर लिखा, भगवान का प्रेम बरस रहा है। वो बड़े दयालु हैं। इस दुनिया में छोटे सिंह आ चुके हैं। वो पहले ही हमारा दिल चुरा रहे हैं। बेटा हुआ है। भगवान इस प्यारे से खुशी के तोहफे के लिए शुक्रिया। जैसे ही एक्टर का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर आया, उन्हें फैंस की बधाइयां मिलनी शुरू हो गईं। एक्टर विक्रांत मैसी ने विनीत के पोस्ट पर लिखा, बहुत बहुत बधाई भाई साहब। आहना कुमरा ने लिखा, क्या गजब गुड न्यूज दी है। मैं छुटकू से मिलने को बेकरार हूं। बता दें, विनीत कुमार सिंह की पत्नी रुचिरा ने 24 जुलाई को बेटे को जन्म दिया और अब इस बात का खुलासा कर रुचिरा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। बहुत कुछ हो रहा है और मैं भावनाओं पर कंट्रोल नहीं कर पा रही हूं। बता दें, विनीत और रुचिरा ने 29 नवंबर 2021 को शादी रचाई थी। शादी से पहले उन्होंने आठ साल तक एक–दूसरे को डेट किया था। वहीं, अब शादी के 3 साल बाद कपल को एक प्यारे से बेटे का आशीर्वाद मिला है।

## दीपिका पादुकोण का विश्व मंच पर डंका! 'द शिफ्ट' की 90 प्रभावशाली महिलाओं में हुई शामिल

वैश्विक सांस्कृतिक प्रकाशन 'द शिफ्ट' ने सक्रियता, रचनात्मकता, नेतृत्व और सांस्कृतिक प्रभाव वाली 90 से ज़्यादा असाधारण महिलाओं की अपनी नवीनतम सूची जारी की है। इन महिलाओं में अमल क्लूनी, मारिस्का हरजीत, सेलेना गोमेज़, बिली इलिश, एंजेलिना जोली, अमांडा गोर्मन, जेसिका चौस्टेन, ओलिविया रोड्रिगो, लूसी लियू, मिस्टी कोपलैंड, बिली जीन किंग... और भारतीय सुपरस्टार दीपिका पादुकोण शामिल हैं। एक वैश्विक आइकन, दीपिका की यह पहचान न केवल उनके सिनेमाई प्रभाव को दर्शाती है, बल्कि उनके लिव लव लाफ फाउंडेशन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य वकालत और महिला सशक्तिकरण में उनके काम को भी दर्शाती है। दीपिका (39) के अलावा, इस सूची में गायिका–अभिनेत्री सेलेना गोमज, हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली, गायिका बिली इलिश और ओलिविया रोड्रिगो जैसी अन्य लोकप्रिय हस्तियों के नाम भी शामिल हैं। दीपिका ने रविवार दोपहर अपने 'इंस्टाग्राम' हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की और लिखा, ''ग्लोरिया स्टीनम और उनके 91 साल के सामाजिक योगदान के सम्मान में, 'द शिफ्ट' हमारे भविष्य को आकार देने वाली 90 आवाजों का सम्मान कर रहा है। इस सम्मान के लिए मैं उनकी आभारी हूं।'' अभिनेत्री पिछले कुछ वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता के लिए काम कर रही हैं। वह 'लाइव लव लाफ फाउंडेशन ऑर्गनाइजेशन' की संस्थापक हैं, जिसका उद्देश्य लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में शिक्षित करना है। ग्लोरिया स्टाइनम के 91 वर्षों के योगदान का जश्न मनाने वाले इस उद्घाटन अंक के एक हिस्से के रूप में, द शिफ्ट 90 प्लस वन संस्करण में दीपिका के शब्दों को उद्धृत किया गया है, मेरे लिए सफलता केवल पेशेवर उपलब्धियों के बारे में नहीं है, बल्कि कल्याण के बारे में भी हैकृजहाँ मानसिक स्वास्थ्य और आत्म–देखभाल अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प के समान ही महत्वपूर्ण हैं। मैं धैर्य, संतुलन, निरंतरता और प्रामाणिकता की शक्ति में दृढ़ विश्वास रखती हूँ, और मैं एक ऐसी पीढ़ी को प्रेरित करने की आशा करती हूँ जो इन सभी गुणों को समान रूप से महत्व देती है।

## तनुश्री दत्ता ने मटन खाकर खोला सावन का व्रत तो लोगों ने की खिंचाई, जवाब में बोलीं एक्ट्रेस– धार्मिकता की आड़ में घटिया आलोचना

बॉलीवुड एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे अपने घर पर हो रही कथित प्रताड़ना को लेकर बात करती नजर आईं थीं। इस वीडियो को लेकर उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं और उन्हें कई लोगों से सहानुभूति भी मिली। वहीं, अब तनुश्री ने एक और वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने सावन व्रत के बाद मटन खाने को लेकर अपना अनुभव और राय शेयर की है। तनुश्री दत्ता ने वीडियो में मटन के फैट को अलग–अलग थैलियों में दिखाया और बताया कि किस तरह ये पोषक तत्व शरीर के लिए लाभकारी होते हैं। उन्होंने अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने 26 जुलाई को सावन का व्रत रखा, जो शाम 7 बजे तक पानी पर आधारित उपवास था। व्रत के बाद उन्होंने काली दाल, मटन और चावल बनाकर खाया। तनुश्री ने बताया कि इस तरह का व्रत उनके लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है, उपवास से मानसिक मजबूती मिलती है और उपवास तोड़ने पर हेल्दी और हाई–प्रोटीन मील लेने से शरीर को ऊर्जा भी मिलती है। उन्होंने अपने कैप्शन में बताया कि भोजन केवल पेट भरने का जरिया नहीं, बल्कि एक दवा है। उन्होंने इस बात को आयुर्वेद के सिद्धांतों से जोड़ा और बताया कि सही खान–पान मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए कितना जरूरी है। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, कई यूजर्स ने तनुश्री दत्ता को ट्रोल करना शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि सावन के पवित्र महीने में मटन खाना सही नहीं है। किसी ने लिखा, "सावन में मटन? बहुत बढ़िया मैडम।" वहीं एक और यूजर ने टिप्पणी की, "शाकाहारी बनो, सारी सेहत खुद–ब–खुद सही हो जाएगी।" किसी ने कहा–"सावन... व्रत... मटन... मोटा। हैशटैग रिस्पेक्ट।" इन सभी आलोचनाओं के जवाब में तनुश्री ने न सिर्फ धैर्य से प्रतिक्रिया दी, बल्कि एक शिक्षाप्रद संदेश भी दिया। उन्होंने लिखारू ष्बंगाल में सभी व्रत इसी तरह किए जाते हैं। दिनभर पानी पर उपवास रहता है और सूर्यास्त के बाद देवी को भोग दिया जाता है, जिसमें बकरे का मांस भी होता है। हर जगह का कल्चर अलग होता है। बिना जानकारी के किसी पर राय बनाना गलत है। पूरा वीडियो देखिए और समझिए। धार्मिकता की आड़ में यह घटिया आलोचना ठीक नहीं है।तनुश्री का ये जवाब न सिर्फ ट्रोल्स को करारा जवाब था, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भारत में अलग–अलग क्षेत्रों और संस्कृतियों में उपवास और धार्मिक परंपराओं के अलग–अलग स्वरूप हैं। तनुश्री ने अपने कैप्शन में आयुर्वेद का हवाला देते हुए कहा कि भोजन भी एक दवा होता है। उनका मानना है कि अगर कोई मानसिक या शारीरिक परेशानी से जूझ रहा है तो सबसे पहले उसे अपने खान–पान पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने लिखा कि मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध पोषण से होता है, और यही वजह है कि वे अपने खाने को लेकर सजग रहती हैं।

## मानसून में यूपी की इस जगह पर बनाएं घूमने का प्लान, प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है ये जगह

उत्तर प्रदेश की गिनती सबसे बड़े राज्यों में होती है। इस राज्य को देश का दिल भी कहा जाता है। वहीं जनसंख्या के लिहाज से भी यह काफी बड़ा राज्य है। उत्तर प्रदेश की खूबसूरती न सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व में फेमस है। यहां पर हर महीने लाखों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक मौज–मस्ती के लिए यहां आते हैं। यूपी की राजधानी लखनऊ से लेकर काशी, अयोध्या, प्रयागराज और आगरा आदि पूरी दुनिया में फेमस है। लेकिन आज हम आपको यूपी की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आपको मानसून के समय एक्सप्लोर करना चाहिए। उत्तर प्रदेश की यह जगह मानसून में प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत से कम नहीं है। तो आइए जानते हैं यूपी की इस फेमस और शानदार जगह के बारे में...

एक्सप्लोर करें इटावा

अगर आप भी इस मानसून उत्तर प्रदेश को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको पश्चिम यूपी के इटावा जरूर जाना चाहिए। मानसून में आप इटावा को एक्सप्लोर कर आप यूपी की अन्य जगहों को भूल जाएंगे। इटावा में घूमने के लिहाज से कई शानदार और मनमोहक जगह हैं। ऐसे में आप भी अपनी फैमिली या दोस्तों के साथ इन जगहों पर घूम सकते हैं।

सफारी पार्क

इटावा में एक वन्यजीव सफारी पार्क है। इसको एक्सप्लोर करना हर किसी का सपना होता है। इटावा आने के दौरान जंगल सफारी का लुत्फ उठाना न भूलें। माना जाता है कि मानसून में इस सफारी पार्क की खूबसूरती देखने लायक होती है। बारिश के दौरान यहां पर पर्यटकों की भारी भीड़ होती है।

इटावा फोर्ट और महल

किसी भी राज्य या शहर का इतिहास वहां पर मौजूद फोर्ट या महल को देखने से पता चलता है। इटावा शहर में मौजूद राजा सुमेर सिंह फोर्ट यहां का सबसे गौरवशाली फोर्ट है। यहां की सुंदरता और चित्रकारी टूरिस्ट को लुभाती है। मानसून में यमुना किनारे मौजूद फोर्ट की खूबसूरती अधिक बढ़ जाती है।

युमना चंबल संगम

कहा जाता है कि अगर आपने इटावा में इस जगह को एक्सप्लोर कर लिया, तो आपको यहां कहीं और घूमने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह जगह इतनी अधिक खूबसूरत और फेमस है कि हर महीने यहां पर लाखों की संख्या में टूरिस्ट आते हैं। युमना चंबल संगम स्थल प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत से कम नहीं है। इस जगह की प्राकृतिक सुंदरता को आप निहारते रह जाएंगे। मानसून में हर तरह हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। यहां पर आप सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं।

कंपनी गार्डन

सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं बल्कि इटावा का कंपनी गार्जन पर्यटकों के लिए भी लोकप्रिय जगह है। ब्रिटिश काल में इस खूबसूरत कंपनी गार्डन का निर्माण किया हुआ था। यहां पर आपको दर्जन भर से अधिक किस्म के पेड़ पौधे और हजार से अधिक फूल के किस्म देखने को मिलेंगे। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक होता है। इसके साथ ही इस पार्क में शानदार लाइटिंग का फव्वारा यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है।

ऐसे पहुंचे इटावा

आप चाहें तो अपने निजी वाहन से भी इटावा जा सकते हैं। इसके अलावा आप बस के जरिए 2–2.5 घंटे में आसानी से इटावा पहुंच सकते हैं।

## पेट की हर प्रॉब्लम का हल है तांबे का पानी लेकिन इसके नुकसान भी जान लें

तांबे का पानी प्राकृतिक रूप से बैक्टीरिया और विषाणुओं को नष्ट करने की क्षमता रखता है, जिससे यह एक स्वच्छ और शुद्ध जल स्रोत बनता है। इसके अलावा, तांबा शरीर की इम्युनिटी को मजबूत करता है, पाचन में सुधार करता है और विषाक्तता को कम करता है। इस लेख में, हम तांबे के बर्तन के उपयोग से जुड़े विभिन्न लाभों की चर्चा करेंगे, जो न केवल आपकी स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद करेंगे बल्कि आपके जीवन में ताजगी और ऊर्जा भी लाएंगे। तांबे के बर्तन का सही ढंग से उपयोग करके आप इसके अनोखे गुणों का पूरा लाभ उठा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं तांबे के बर्तन में पानी पीने के फायदे के बारे में।

पाचन में सुधार

तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से पाचन क्रिया में सुध ार होता है। यह पेट के रोगों को दूर करने में मदद कर सकता है और कब्ज से राहत दिला सकता है।

वजन कंट्रोल

तांबे में फैट को गलाने की क्षमता होती है। इसलिए, तांबे के बर्तन में पानी पीने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। तांबा, मेटाबॉलिज्म लेवल को बढ़ाता है, जिससे शरीर की कैलोरी को तेजी से कम करने में मदद मिलती है।

हड्डियों की मजबूती

तांबा हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह हड्डियों में कैल्शियम के को बढ़ावा देता है, जिससे हड्डियाँ और जोड़ स्वस्थ रहते हैं।

शरीर की सूजन करें कम

तांबा सूजन कम करने में सहायक होता है। यह शरीर में सूजन को नियंत्रित करने में मदद करता है, जो गठिया और अन्य सूजन संबंधी समस्याओं के लिए लाभकारी हो सकता है।

बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद

यह त्वचा को चमकदार और बालों को मजबूत बनाता है। स्किन को सुन्दर बनाने में मदत करता हैं। तांबा त्वचा के स्वास्थ्य में भी योगदान करता है। यह त्वचा को साफ और चमकदार बनाए रखने में मदद करता है और त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है।

नुकसान

तांबे के बर्तन में रखा पानी जहां कई फायदे दे सकता है वहीं कइयों के लिए यह नुकसानदायक भी हो सकता है जैसे बहुत ज्यादा तांबे के पानी का सेवन करना।

तांबे के पानी का ज्यादा सेवन

अगर तांबे के बर्तन में पानी बहुत अधिक समय तक रखा जाए या जरूरत से ज्यादा पानी पिया जाए, तो यह शरीर में तांबे का स्तर बढ़ा सकता है, जिससे तांबे का विषाक्तता हो सकती है। इसमें खट्टी और अम्लीए एसिड वाली चीजें ना पीएं।

लीवर की समस्या

तांबे की अधिकता से लीवर पर बुरा असर पड़ सकता है और यह लीवर के कार्य को प्रभावित कर सकता है।

एलर्जिक रिएक्शन

कुछ लोगों में तांबे के प्रति एलर्जी हो सकती है। ऐसे में तांबे के बर्तन में पानी पीना उनके लिए हानिकारक हो सकता है।

तांबे के बर्तन में पानी पीने के फायदे तो होते हैं, लेकिन इसका संयमित उपयोग महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करें कि बर्तन साफ हो और पानी अधिकतम 8–12 घंटे ही तांबे के बर्तन में रखा जाए।

## बाजार में सिर्फ 30 दिनों के लिए आता है ये फल, पोषक तत्वों से होता है भरपूर

खजूर एक बेहद खास फल है जो स्वास्थ्य और पोषण के लिए सबसे अच्छा स्तोत्र माना जाता है। यह फल विशेष रूप से गर्मियों में या गर्म जलवायु वाले क्षेत्रों में उगाया जाता है, और इसमें कई प्रकार के पोषक तत्व होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। सिर्फ यही नहीं बल्कि ये फल बाजार में सिर्फ 30 दिनों के लिए ही आता है। इसे खाने मात्र से कई तरह के मिनरल्स और विटामिन्स हमें मिलते हैं जिससे कई तरह के रोगों से छुटकारा मिलता है। ऐसे में हम आपको आज खजूर के फायदों के बारे में बताएंगे जो आपको हेयरन कर देंगे।

खजूर के पोषक तत्व

कार्बोहाइड्रेट्स

खजूर में मुख्य रूप से प्राकृतिक`नहंते (ग्लूकोज, फ्रक्टोज, और सुक्रोज) होते हैं, जो त्वरित ऊर्जा प्रदान करते हैं और शरीर को तत्काल ऊर्जा का अच्छा स्रोत बनाते हैं।

फाइबर

खजूर फाइबर का उत्कृष्ट स्रोत है, जो पाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाता है, कब्ज को कम करता है, और आंतरिक स्वास्थ्य में सुधार करता है।

विटामिन्स

विटामिन ए:9 त्वचा और दृष्टि के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

विटामिन बी6 रूयह मस्तिष्क के कार्यों को सपोर्ट करता है और शरीर की ऊर्जा का प्रबंधन करता है।

विटामिन के यह खून के जमने में मदद करता है और हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखता है।

खनिज

पोटेशियमः हृदय के स्वास्थ्य को सपोर्ट करता है और रक्तचाप को नियंत्रित करता है।

मैग्नीशियमः मांसपेशियों और नसों की कार्यप्रणाली में सहायक होता है।

आयरनः खून में हीमोग्लोबिन के निर्माण के लिए आवश्यक है, जिससे एनीमिया को रोका जा सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स

खजूर में फ्लावोनॉइड्स, कैरोटेनॉइड्स, और फेनोलिक एसिड जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो मुक्त कणों से शरीर को बचाते हैं और सूजन को कम करते हैं।

स्वास्थ्य लाभ

ऊर्जा का स्रोतः खजूर में मौजूद प्राकृतिक`नहंते त्वरित ऊर्जा प्रदान करते हैं, जिससे यह एथलीट्स और सक्रिय जीवनशैली वाले लोगों के लिए आदर्श स्नैक बनता है।

हृदय स्वास्थ्यः पोटेशियम और मैग्नीशियम हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

पाचन स्वास्थ्यः फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होता है और कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है।

हड्डियों की मजबूतीः खजूर में कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम करते हैं।

मस्तिष्क स्वास्थ्यः विटामिन ब्6 मस्तिष्क के कार्यों को बेहतर बनाता है, जिससे याददाश्त और संज्ञानात्मक कार्यक्षमता में सुधार होता है।

त्वचा की देखभालः खजूर में विटामिन । और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखते हैं।

इस तरह खाएं:

नाश्ते में खजूर को सुबह के नाश्ते में खाया जा सकता है या इसे ओट्स, दही, और स्मूदी में मिलाया जा सकता है।

पाक कला में खजूर का उपयोग मिठाइयों, केक, और मिठास बढ़ाने वाले व्यंजनों में किया जाता है।

स्वास्थ्य पेय खजूर को पानी में भिगोकर इसका रस पी सकते हैं, जो ऊर्जा का अच्छा स्रोत होता है।

खजूर एक प्राकृतिक और पौष्टिक फल है जिसे संतुलित मात्रा में खाना चाहिए। यह न केवल स्वादिष्ट है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है।

## बारिश के दौरान भुट्टा खाने से सेहत को मिलते हैं जबरदस्त फायदे, नहीं होंगी बीमारियां

बरसात के मौसम में लोग भुट्टा खाना काफी पसंद करते हैं। वैसे इसमें बहुत से पोषक तत्व पाए जाते हैं। बारिश के समय में भुट्टा खाने का अलग ही मजा आता है। भुट्टा के सेवन से कई समस्याओं से राहत मिलती है। दरअसल, भुट्टा में फाइबर, विटामिन ए, आयरन और फोलिक एसिड जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से स्वास्थ्य को कई लाभ प्राप्त होते हैं।

आइए जानते हैं भुट्टा सेवन करने के फायदे।

पाचन समस्या दूर होती

बरसात के मौसम में भुट्टा खाने से पाचन की समस्या दूर होती है और अपच और गैस जैसी पाचन संबंधी समस्याओं से राहत मिलती है।

इम्यूनिटी बूस्ट होगी

बारिश के मौसम में भुट्टा खाने से शरीर को कई फायदे होते हैं। भुट्टे में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से सेल्स को मजबूती देने में मदद करता है। इसके सेवन से इम्यूनिटी बूस्ट होती है और बीमरियों से बचाव होता है।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता

भुट्टे में फाइबर, विटामिन्स और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने का मदद मिलती है।

स्किन के लिए बढ़िया

भुट्टा खाने से स्किन को काफी फायदा मिलता है। बरसात के दौरान भुट्टा खाने से स्किन के रैशेज और रेडनेस की समस्या में काफी राहत मिलती है।

वजन कम करने में मददगार

भुट्टा में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है। ऐसे में इसे खाने से पाचन को दुरुस्त करने के साथ–साथ वजन कम करने में मदद मिलेगी।

## संक्षिप्त

### टीसीएस इस साल 12,000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी करेगी

भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस साल अपने वैश्विक कार्यबल के लगभग दो प्रतिशत या 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है, जिनमें से ज्यादातर मध्यम और वरिष्ठ स्तर के होंगे। टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। हाल ही में समाप्त अप्रैल–जून तिमाही में कंपनी ने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की वृद्धि की। टीसीएस ने एक बयान में कहा कि यह कदम कंपनी की भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत नई तकनीक के क्षेत्रों में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहकों और स्वयं के लिए बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग, साझेदारियों को मजबूत करना, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का निर्माण और अपने कार्यबल मॉडल को पुनर्गठित करने पर ध्यान दिया जाएगा। कंपनी ने कहा, इस यात्रा के एक भाग के रूप में, हम संगठन से उन सहयोगियों को भी हटाएंगे जिनकी तैनाती संभव नहीं हो सकती है। इसका प्रभाव हमारे वैश्विक कार्यबल के लगभग दो प्रतिशत पर पड़ेगा। इसमें मुख्य रूप से मध्यम और वरिष्ठ श्रेणी के अधिकारी होंगे। टीसीएस प्रभावित कर्मचारियों को उचित लाभ, क्षतिपूर्ति, परामर्श और सहायता देगी।

### कुछ सरकारी बैंकों की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर परः आरबीआई बुलेटिन

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा बुलेटिन के अनुसार 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों (पीएसबी) की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं। पीएसबी और निजी क्षेत्र के बैंकों, दोनों की नई जमाओं के लिए भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। रबीआई के जुलाई बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, ''इस समय सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों की बचत जमा दरें 2011 में विनियमन मुक्त होने

के बाद से ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं।'' आरबीआई ने अक्टूबर, 2011 में बचत बैंक जमा ब्याज दर को विनियमन मुक्त कर दिया था, और बैंकों को अपनी इच्छानुसार ब्याज दर निर्धारित करने की अनुमति दी थी। सरकार ने चालू सितंबर तिमाही के दौरान लघु बचत योजनाओं की दरों में कोई बदलाव नहीं किया था। लेख में कहा गया है कि इन माध्यमों पर प्रचलित दरें फॉर्मूला आधारित दरों से 0.33 से 1.18 प्रतिशत तक अधिक हैं। इसमें आगे कहा गया कि फरवरी, 2025 से नीतिगत रेपो दर में एक प्रतिशत की कमी के जवाब में बैंकों ने अपनी रेपो से जड़ी बाहरी बेंचमार्क आधारित उधार दरों में एक प्रतिशत की कमी की। इसके साथ ही कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर में 0.1 प्रतिशत की कमी की गई। ऐसे में वाणिज्यिक बैंकों के नए और बकाया रुपया ऋणों पर भारित औसत कर्ज दरें फरवरी–मई, 2025 के दौरान क्रमशः 0. 26 प्रतिशत और 0.18 प्रतिशत कम हुईं। इस अवधि में नई और बकाया जमाओं पर भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरें क्रमशः 0.51 प्रतिशत और दो प्रतिशत तक कम हुईं।

### अनिल अंबानी के रिलायंस समूह का वृद्धि के अगले चरण में रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र पर जोर

अनिल अंबानी के रिलायंस समूह ने वृद्धि के अगले चरण के लिए रक्षा, बिजली और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों पर ध्यान देने की योजना बनाई है। समूह ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित धन शोधन और सार्वजनिक धन की हेराफेरी की जांच के तहत समूह से जुड़े स्थानों पर तलाशी पूरी कर ली है। इसके बाद अनिल अंबानी के रिलायंस समूह दो सूचीबद्ध कंपनियों – रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के 100 से अधिक शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को मुंबई में बैठक की और समूह के महत्वाकांक्षी वृद्धि मसौदे के प्रति अपनी

प्रतिबद्धता दोहराई। समूह ने एक प्रेस बयान में कहा, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के निदेशक मंडल द्वारा एक सप्ताह पहले रक्षा, एयरोस्पेस और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में वृद्धि के लिए इक्विटी और ऋण के जरिये 18,000 करोड़ रुपये जुटाने की सर्वसम्मति से मंजूरी देने के बाद इस बैठक में उद्देश्य की एकता, नए जोश और हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करने के साझा संकल्प को दोहराया गया। इससे पहले दिन में अलग–अलग बयानों में दोनों सूचीबद्ध कंपनियों ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई समाप्त हो गई है और कंपनी तथा उसके अधिकारियों ने प्राधिकरण के साथ पूरा सहयोग किया है। बयान में कहा गया, प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई का कंपनी के व्यावसायिक संचालन, वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों, कर्मचारियों या किसी अन्य हितधारक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। समूह ने नेतृत्व बैठक पर जारी बयान में कहा कि उसकी दो सूचीबद्ध कंपनियां – रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर – लगभग ऋण मुक्त हैं, उनकी कुल संपत्ति क्रमशः 14,883 करोड़ रुपये और 16,431 करोड़ रुपये है, और उनके 50 लाख सार्वजनिक शेयरधारक हैं। नेतृत्व बैठक में समूह की भविष्य की रणनीति को आगे बढ़ाने वाले उच्च वृद्धिशील क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया।

# शुभमन पर संदेह करने वालों को क्रिकेट की समझ नहीं, कोच गंभीर ने कप्तान गिल के आलोचकों को लताड़ा

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में भारत के संघर्षपूर्ण ड्रॉ के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान शुभमन गिल के आलोचकों को लताड़ लगाते हुए कहा कि भारतीय टीम स्वदेश के आम आदमी के लिए खेलती है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के खिलाड़ी देश के लिए लड़ना चाहते हैं और वह ऐसा करते रहेंगे। कोच ने कहा कि जो लोग गिल पर सवाल खड़ रहे हैं, उन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। गंभीर चाहते हैं कि टीम इंडिया के खिलाड़ी अतीत के नक्शेकदम पर चलने के बजाय अपना इतिहास खुद बनाएं। उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर टेस्ट में यादगार वापसी के बाद, खिलाड़ी इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। गंभीर ने रविवार को मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम इंडिया के जुझारू जज्बे को सलाम करते हुए कहा, श्भारतीय खिलाड़ी अपने देश के आम आदमी के लिए जूझना चाहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस टेस्ट मैच में कई लोगों ने हमारी हार सुनिश्चित मान ली थी, लेकिन हमने शानदार वापसी की। यही इस टीम की नींव है। ये ऐसे लोग हैं जो इस ड्रेसिंग रूम में बैठे हैं और देश के लिए लड़ना चाहते हैं और वे आगे भी ऐसा करना जारी रखेंगे।श

कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल के बीच 188 रन की साझेदारी ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में बनाए रखा। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा ने 203 रन की अटूट साझेदारी करके मैच को ड्रॉ कराकर सीरीज को जीवंत बनाए रखा। गंभीर से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने चौथे दिन के बाद खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और 2009 में नेपियर में खेली गई अपनी मैच बचाने वाली 137 रन की पारी का जिक्र किया? इसके जवाब में कोच ने कहा, श्पहली बात तो यह है कि मुझे अपनी कोई भी पारी याद नहीं है, वह इतिहास बन चुकी है। मुझे लगता है कि उन्हें अपना इतिहास खुद बनाना चाहिए। सच कहूं तो इस टीम में कोई भी किसी का अनुसरण नहीं करेगा और न ही करना चाहेगा। उन्हें अपना इतिहास खुद लिखना होगा।

गंभीर का यह भी मानना है कि भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में अपने पहले दौरे में गिल की आलोचना बेबुनियाद है। गिल ने अब तक सीरीज में चार शतक बनाए हैं। गंभीर ने कहा, शुभमन गिल की प्रतिभा पर कभी कोई संदेह नहीं था। अगर किसी को संदेह था तो लगता है कि उन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। कुछ खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पांव जमाने में समय लगता है। इस दौरे पर उन्होंने जो किया है, उससे कोई भी हैरान नहीं है। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया होता तब भी हमें उनकी प्रतिभा पर पूरा भरोसा होता। मायने यह रखता है कि वह अपनी उम्मीदों और क्षमता पर खरे उतर रहे हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो कप्तानी का तथाकथित दबाव उन पर असर नहीं डालता। वह कप्तान के रूप में नहीं, बल्कि बल्लेबाज के रूप में खेलते हैं।श गंभीर का मानना है कि हार के कगार से वापसी करके मैच को ड्रॉ करने से भारत को 31 जुलाई से लंदन में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के लिए मनोवैज्ञानिक बढ़त मिल गई है। उन्होंने कहा, हमारी टीम ने दबाव में अपने जज्बे का शानदार नमूना पेश किया। इससे टीम के अंदर काफी आत्मविश्वास पैदा होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि पांचवें मैच के लिए ओवल में उतरते समय हमारा आत्मविश्वास काफी ऊंचा होगा, लेकिन हम किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले सकते।श नए कप्तान गिल के नेतृत्व में टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है लेकिन गंभीर इसे इस तरह नहीं देखते। उन्होंने कहा, श्आपने अच्छा किया जो बदलाव शब्द का इस्तेमाल किया, लेकिन मैं इसे उस तरह नहीं देखता क्योंकि यह अभी भी एक भारतीय टीम है। यह सर्वश्रेष्ठ 18 खिलाड़ी हैं जो देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह अनुभव से जुड़ा है लेकिन हमें इसी तरह से आगे बढ़ना होता है।

# बेन स्टोक्स ने दिया जल्दी ड्रॉ का ऑफर...जडेजा और सुंदर ने ठुकराया; वजह जानकर हो जाएंगे हैरान

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर टेस्ट का आखिरी दिन रोमांच से भरपूर रहा। भारत ने इंग्लैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और शानदार बल्लेबाजी से मुकाबले को ड्रॉ करा लिया। रविवार को शुभमन गिल के बाद रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की शतकीय पारियों के दम पर भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला गया चौथा मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त कराया। अब इस सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला 31 जुलाई से द ओवल में खेला जाएगा, जिसमें भारतीय टीम जीत हासिल करने का उद्देश्य लेकर उतरेगी। फिलहाल इंग्लैंड मौजूदा सीरीज में 1–2 से आगे है। उसने लीड्स (पहला) और लॉर्ड्स (तीसरा) टेस्ट में जीत दर्ज की है जबकि भारत को बर्मिंघम (दूसरा) में सिर्फ जीत मिली है।

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के पांचवें दिन कप्तान बेन स्टोक्स ने मेहमानों को जल्दी ड्रॉ का ऑफर दिया था। हालांकि, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने इसे ठुकरा दिया और बल्लेबाजी करते रहे। दरअसल, जिस वक्त इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर स्टोक्स ने यह ऑफर दिया उस वक्त दोनों भारतीय बल्लेबाज अपने–अपने शतकों से महज कुछ ही रन दूर थे और भारत का स्कोर चार विकेट पर 386 रन था। भारत ने इंग्लैंड पर 75 रन की बढ़त हासिल कर ली थी। ऐसे में दोनों ने बल्लेबाजी करना उचित समझा और शतक पूरे किए। इस दौरान जडेजा ने 182 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का पांचवां शतक पूरा किया जबकि सुंदर ने 206 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। दोनों क्रमशरू 107 और 101 रन बनाकर नाबाद रहे। गिल ने जडेजा और सुंदर के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने मुकाबले के बाद कहा, श्निश्चित रूप से यह क्रीज पर मौजूद बल्लेबाजों पर निर्भर था। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और उस समय दोनों 90 रन के करीब थे ऐसे में हमें लगा कि वे शतक के हकदार थे। स्टोक्स ने भारत को चौथा टेस्ट जल्दी समाप्त करने का प्रस्ताव देने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वह अपनी प्रमुख तेज गेंदबाजों को जोखिम में नहीं डालना चाहते थे क्योंकि मैच निश्चित ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने बहुत मुश्किल समय बिताया।

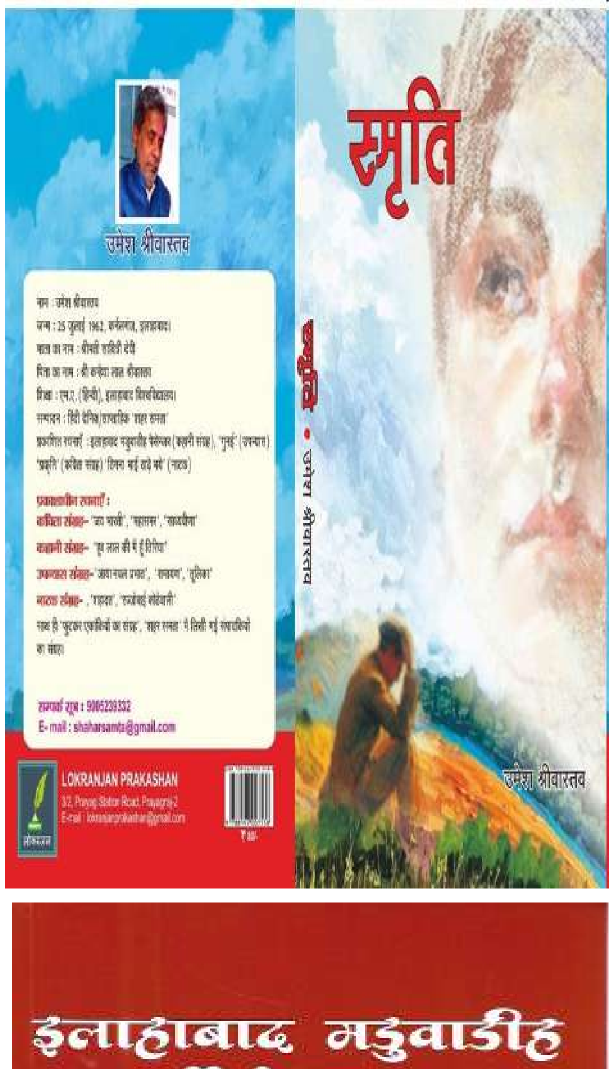


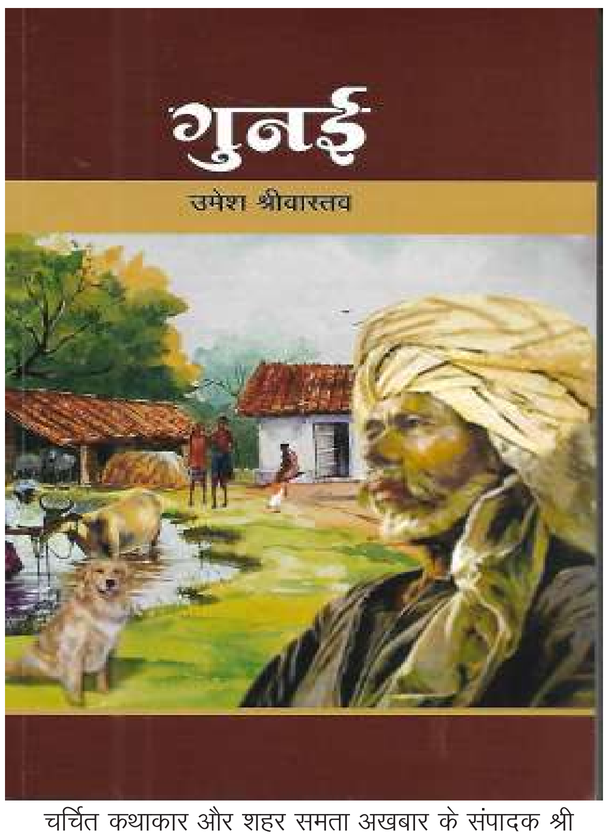


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

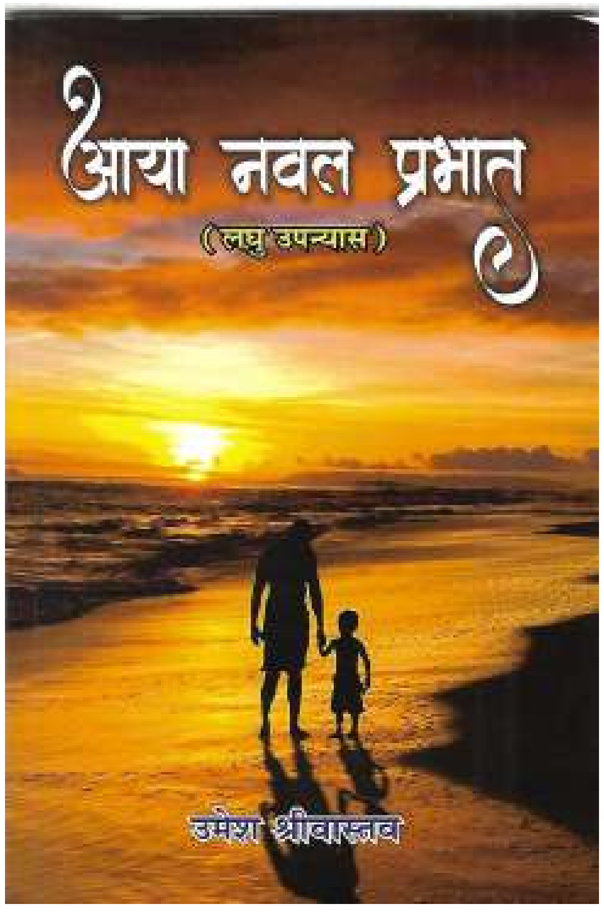


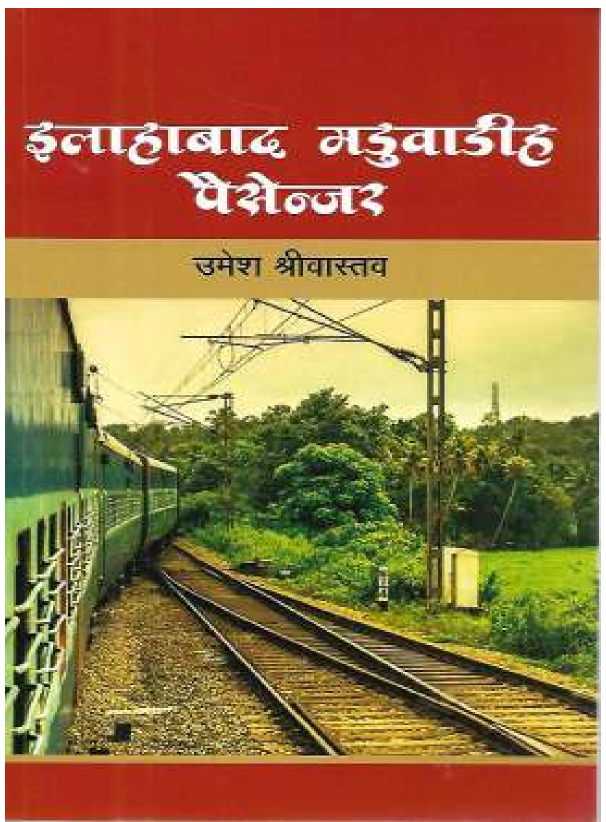


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

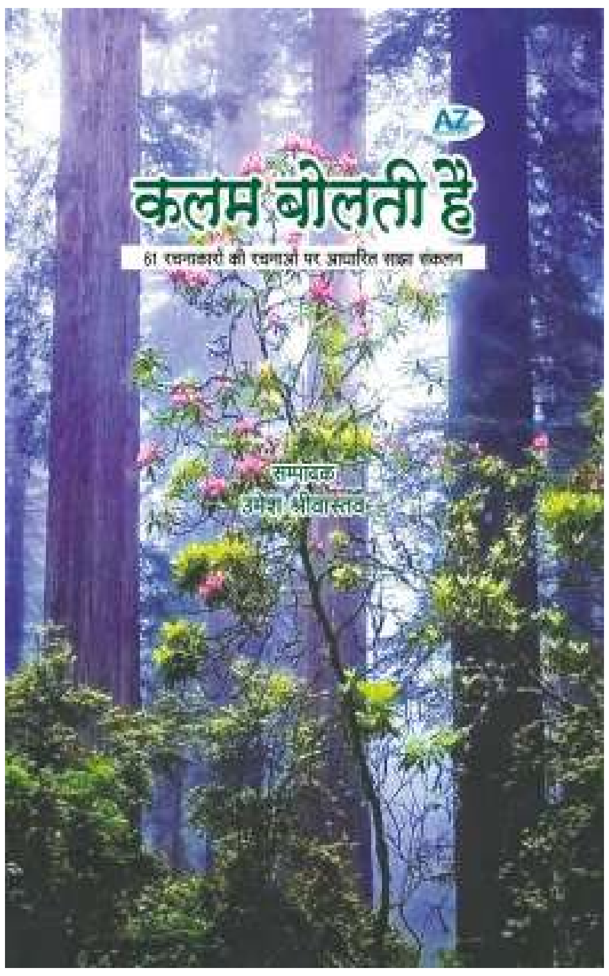


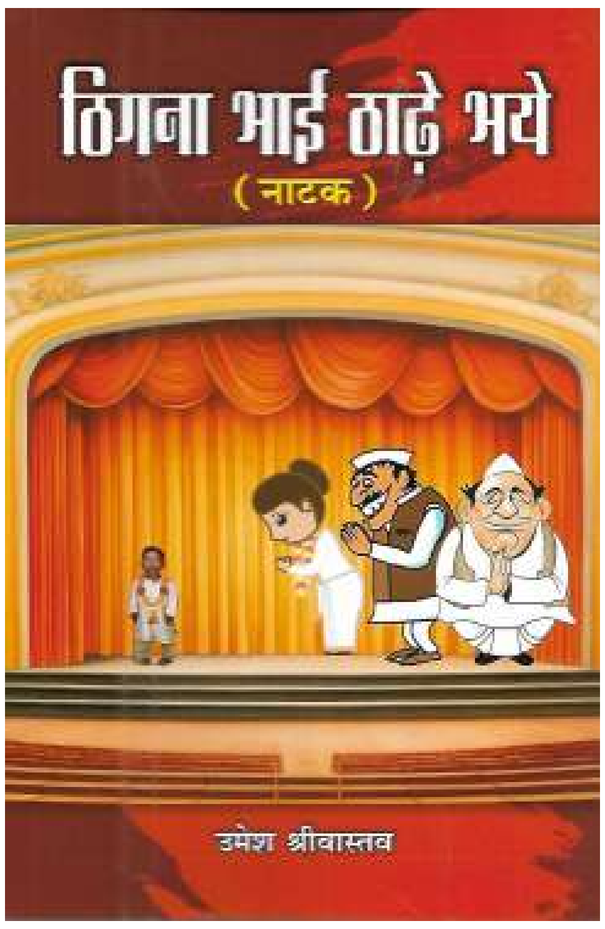


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### जर्मनी में ट्रेन के पटरी से उतरने से कम से कम तीन लोगों की मौत, कई अन्य घायल

दक्षिणी जर्मनी में रविवार को एक क्षेत्रीय यात्री ट्रेन के पटरी से उतर जाने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। संघीय और स्थानीय पुलिस ने बताया कि म्यूनिख से लगभग 158 किलोमीटर (98 मील) पश्चिम में रीडलिंगन के पास हुई इस दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। दुर्घटनास्थल की तस्वीरों में ट्रेन के कुछ हिस्से पलटे हुए दिखाई दे रहे हैं। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस हादसे में कितने लोग घायल हुए हैं। शाम छह बजकर 10 मिनट पर एक जंगली इलाके में ट्रेन के कम से कम दो डिब्बे पटरी से उतर गए। उस समय ट्रेन में लगभग 100 लोग सवार थे। बाडेन वुर्टेनबर्ग राज्य के गृह मंत्री थॉमस स्ट्रोबल ने कहा, ''यहां भारी बारिश हुई है इसलिए इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारी बारिश या भूस्खलन दुर्घटना का कारण हो सकते हैं। जांच जारी है।'' जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' साझा करते हुए कहा कि वह पीड़ितों के प्रति शोक और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। जर्मनी की प्रमुख राष्ट्रीय रेल संचालन कंपनी 'डॉयचे बान' ने एक बयान में कहा कि वह जांचकर्ताओं के साथ सहयोग कर रही है। कंपनी ने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

### नाइजीरिया में नाव पलटने से 25 लोगों के मारे जाने की आशंका

उत्तर–मध्य नाइजीरिया में एक बाजार में यात्रियों को ले जा रही एक नौका पलट गई, जिससे कम से कम 25 लोगों के मारे जाने की आशंका है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के एक अधिकारी इब्राहिम हुसैनी ने बताया कि यह दुर्घटना शनिवार को नाइजर राज्य के शिरोरो क्षेत्र के गुमु गांव के पास हुई। हुसैनी ने कहा कि खोज और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन ये सीमित हैं क्योंकि ज़्यादातर इलाके पर हथियारबंद गिरोहों का कब्ज़ा है।

### नायडू सिंगापुर यात्रा के दूसरे दिन बंदरगाह आधारित विकास, शहरी नियोजन सहित कई मुद्दों पर करेंगे चर्चा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सिंगापुर की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन बंदरगाह आधारित विकास, शहरी नियोजन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में सहयोग पर चर्चा करेंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नायडू सोमवार सुबह सिंगापुर के व्यापार एवं उद्योग मंत्री टैन सी लेंग के साथ बैठक करेंगे, जिसमें वह सिंगापुर एवं आंध्र प्रदेश के बीच ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग पर बातचीत करेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया, ''सिंगापुर की पांच दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन नायडू सिंगापुर सरकार के प्रतिनिधियों सहित कई संगठनात्मक प्रमुखों के साथ बैठकें करेंगे, जिसमें वह शहरी विकास, खेल और बंदरगाह–आधारित औद्योगिक विकास पर चर्चा करेंगे।'' मुख्यमंत्री 'एयरबस' कंपनी के प्रतिनिधियों से मिलेंगे जिसके बाद वह प्रौद्योगिकी को लेकर सहयोग पर चर्चा के लिए 'हनीवेल' के अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे।

### किम जोंग की बहन ने दक्षिण कोरिया के नये राष्ट्रपति की सुलह संबंधी पहल को ठुकराया

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरिया की नयी सरकार के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें उसने दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए बातचीत की पेशकश की थी। किम जोंग की बहन ने इस प्रस्ताव को सोमवार को खारिज करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत करने में कोई रुचि नहीं है, चाहे उसका प्रतिद्वंद्वी कोई भी प्रस्ताव क्यों न पेश करे। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग की इन टिप्पणियों से फिर से यह स्पष्ट होता है कि उत्तर कोरिया का निकट भविष्य में दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की कूटनीतिक बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है।

# एपस्टीन फाइल बनी ट्रंप के गले की फांस, अपने ही अधिकारियों से नाराजगी, लेकिन चाहकर भी नहीं उठा पा रहे कोई सख्त कदम

दुनियाभर के देशों को सुझाव और स्वघोषित पीसमेकर बने डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों खुद उलझे हुए हैं। अमेरिका को फिर महान बनाने की कवायद में जुटे ट्रंप के सामने एक गड़ा मुर्दा फिर से जी उठा है। 22 साल पहले की एक घटना ट्रंप के सिर का दर्द बन चुकी है। आलम ये है कि अजीबोगरीब फैसले लेकर दुनिया को चौंकाने और उलझाने वाले ट्रंप अब खुद उलझन में हैं। एपस्टीन फाइल डोनाल्ड ट्रंप के गले ही फांस बन चुकी है। ट्रंप इस कदर बौखला चुके हैं कि इस केस की रिपोर्ट छापने वाले वॉल स्ट्रीट जनरल पर मानहानी का मुकदमा ठोक दिया और वो भी दस अरब डॉलर का। दरअसल, जिस एपस्टीन फाइन ने पूरे अमेरिका में बवाल मचाया हुआ है वो एक यूरोप के अपराधी से जुड़ा है। 2019 में हाई प्रोफाइल निवेशक, फाइनेंसर, कुख्यात अपराधी जेफरी एपस्टीन को गिरफ्तार कर लिया गया है और फिर रहस्यमय तरीके से उसकी मौत हो गई। पूरे देश को तब से इत बात पर यकीन है कि एपस्टीन की हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह चाइल्ड सेक्स ट्रैफिक का गिरोह चला रहा थे और उसके क्लाइंट दुनिया के सबसे अमीर और सबसे शक्तिशाली लोगों में शामिल थे। लेकिन एपस्टीन कांड के अमेरिका में तूफ़ान के बीच, ऐसी खबरें आ रही हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात से बेहद निराश हैं कि उनका प्रशासन दोषी यौन

अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ उनके संबंधों को लेकर उठे विवाद से कैसे निपट रहा है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने द वाशिंगटन पोस्ट को बताया कि राष्ट्रपति इस बात से नाराज़ हैं कि इस प्रकरण ने उनके एजेंडे को प्रभावित किया है। हालांकि, मामले से वाकिफ अन्य ने दावा किया कि टीम से नाराज़ होने के बावजूद, ट्रंप किसी को भी बर्खास्त नहीं करेंगे, क्योंकि बर्खास्तगी उस आग में घी डालने का काम करेगी जिसे ट्रंप शांत करना चाहते हैं। राष्ट्रपति की यह नाराज़गी हफ़्तों से चली आ रही ग़लतियों और शीर्ष अधिकारियों की स्पष्ट रणनीति की कमी के बाद आई है, जिन्होंने ख़ासकर राष्ट्रपति के समर्थकों की नाराज़गी को कम करके आंका था, और उम्मीद की थी कि देश अप्रकाशित एपस्टीन फ़ाइल्स को भूल जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि अपनी निराशा के बावजूद, ट्रंप अपने कर्मचारियों में बदलाव करने से हिचकिचा रहे हैं। राष्ट्रपति के एक करीबी ने अमेरिकी समाचार एजेंसी को बताया कि वह किसी को बर्खास्त करके कोई बड़ा तमाशा नहीं खड़ा करना चाहते। इस विवाद के केंद्र में अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी हैं। कई महीनों से एपस्टीन फाइलों को सार्वजनिक करना बॉन्डी के प्रमुख एजेंडे में से एक था। हालाँकि, 4 जुलाई की छुट्टियों के दौरान, बॉन्डी, उनके शीर्ष डिप्टी और एफबीआई अधिकारियों ने एपस्टीन फाइलों के बारे में एक अहस्ताक्षरित ज्ञापन को तुरंत अंतिम मंजूरी दे दी, जिससे एक नया बवाल मच गया। इस विवादास्पद ज्ञापन में तर्क दिया गया था कि ट्रंप प्रशासन को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि एपस्टीन की 2019 में जेल में आत्महत्या से मृत्यु हो गई थी और कहा गया था कि ऐसी कोई ष्ग्राहक सूचीष नहीं है जिसके आधार पर वे किसी और पर मुकदमा चलाएँ। इसके अलावा, ज्ञापन में यह भी कहा गया था कि पीड़ितों की गोपनीयता की रक्षा के लिए इस मामले में कोई और दस्तावेज़ जारी नहीं किया जाएगा।

# भारी बारिश से चीन में भूस्खलन, चार की मौत और आठ लापता; बीजिंग में भी बाढ़ का खतरा बढ़ा

बीजिंग। चीन के हेबेई प्रांत में सोमवार को भारी बारिश के बाद भूस्खलन की बड़ी घटना हुई है, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई है और आठ अन्य अब भी लापता हैं। यह हादसा चेंगडे शहर के लुआनपिंग काउंटी के एक गांव में हुआ, जहां राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल तुरंत मौके पर पहुंच गए और लापता लोगों की तलाश शुरू की गई। प्रशासन ने बताया कि भूस्खलन बारिश के कारण जमीन के ढहने से हुआ, जिससे कई लोग मलबे में दब गए।

लुआनपिंग काउंटी में मलबे ने मचाई तबाही

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश से जमीन की परतें ढह गईं और गांव में रहने वाले कई लोग इसकी चपेट में आ गए। राहत दलों ने चार शव बरामद कर लिए हैं जबकि आठ लोगों की तलाश जारी है। आशंका जताई जा रही है कि सभी लोग मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। राहत कार्य में मशीनों के साथ–साथ स्निफर डॉग्स का भी सहारा लिया जा रहा है। प्रशासन ने कहा कि अगले कुछ घंटों में और बारिश होने की आशंका है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं।

बीजिंग में भी बाढ़ की चेतावनी

चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने बताया कि बीजिंग में लगातार चार दिनों से हो रही भारी बारिश के चलते बाढ़ का खतरा काफी बढ़ गया है। शहर के पूर्वोत्तर में स्थित मीयून जलाशय में रविवार को पिछले 60 वर्षों का सबसे अधिक पानी का बहाव दर्ज किया गया है। मंत्रालय ने स्थानीय प्रशासन से कहा है कि जलस्तर और वर्षा की सटीक निगरानी की जाए और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत चेतावनी जारी की जाए।

छोटी नदियों में भी बाढ़ की आशंका

जल संसाधन मंत्रालय ने यह भी कहा कि छोटे और मध्यम आकार की नदियों में भी जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे बाढ़ की संभावना बन गई है। ग्रामीण इलाकों में विशेष निगरानी रखने और लोगों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया है जहां पहाड़ों के किनारे गांव बसे हैं, क्योंकि वहां भूस्खलन की घटनाएं अधिक होने की संभावना रहती है।

राहत और बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियां

घटनास्थल पर स्थानीय प्रशासन के साथ–साथ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें भी पहुंच गई हैं। खोजी कुत्तों, ड्रोन और अन्य आधुनिक उपकरणों के जरिए लापता लोगों की तलाश की जा रही है। सरकार ने चेतावनी दी है कि जिन क्षेत्रों में अधिक वर्षा हो रही है, वहां स्कूल और कार्यालयों को बंद रखने के भी आदेश दिए जा सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन में हाल के वर्षों में भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं बढ़ी हैं।

### धमकाना बंद करो...वरना इस बार पहले तुमको ही ठोकेंगे, नेतन्याहू के मंत्री ने खामनेई को दी सीधी चेतावनी

इज़राइल के रक्षा मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई को एक सीधी और कड़ी चेतावनी जारी दी है। ख़ामेनेई द्वारा यहूदी राष्ट्र को धमकाना जारी रखने पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से नुकसान पहुँचाने की धमकी दी।रेमन एयर बेस पर बोलते हुए, काट्ज़ ने कहा कि मैं तानाशाह ख़ामेनेई को एक स्पष्ट संदेश भेजना चाहता हूँ। यदि आप इज़राइल को धमकाना जारी रखते हैं, तो हमारा हाथ एक बार फिर ईरान तक पहुँचेगा और वो भी अधिक फोर्स के साथ। इस बार, यह आप तक व्यक्तिगत रूप से पहुँचेगा। उन्होंने कहा कि हमें धमकी मत दो, वरना तुम्हें नुकसान होगा। मंत्री ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मिलकर ऑपरेशन राइजिंग लायन में भूमिका के लिए इज़राइली वायु सेना की प्रशंसा की। यह सैन्य अभियान 13 जून को ईरान के परमाणु और सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर शुरू किया गया था। ऑपरेशन राइजिंग लायन में आपके द्वारा किए गए अविश्वसनीय कार्य के लिए धन्यवाद, जब आपने तेहरान के लिए आसमान खोल दिया, और विनाश के खतरों को दूर कर दिया। ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 के साथ जवाब दिया, जिससे 12 दिनों का युद्ध छिड़ गया, जो 25 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम के ज़रिए समाप्त हुआ।

### नेतन्याहू के लिए गले की हड्डी बने हूती, कहा– गाजा पर हमला नहीं रोका तो हर इस्राइली जहाज को उड़ाएंगे

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने एर्क बार फिर इस्राइल और उसके समर्थन वाले जहाजों को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। हूतियों ने साफ कहा है कि अब वे इस्राइलसे जुड़े हर जहाज को अपना निशाना बनाएंगे, चाहे वह दुनिया के किसी भी हिस्से में क्यों न हो। यह बयान ऐसे समय आया है जब रेड सी और अरब सागर में पहले ही हूतियों के हमलों से समुद्री परिवहन में रुकावटें आ रही हैं। हूती प्रवक्ता याह्या सारी ने रविवार को एक वीडियो बयान में कहा कि इस्राइल से जुड़े सभी कमर्शियल, तेल या हथियार ले जाने वाले जहाज अब उनके रडार पर हैं। उन्होंने कहा कि जब तक गाजा पर इस्राइल हमले बंद नहीं होते, तब तक वे अपने 'सैन्य प्रतिरोध' को जारी रखेंगे। इससे पहले भी उन्होंने अमेरिकी और ब्रिटिश जहाजों को चेतावनी दी थी, लेकिन अब उन्होंने अपने दायरे को और बढ़ा दिया है।

### ईरान ने नागरिक स्थलों पर कथित हमलों के लिए दो विपक्षी सदस्यों को फांसी दी

ईरान ने रविवार को कहा कि उसने निर्वासित विपक्षी समूह मुजाहिदीन–ए–खल्क के दो सदस्यों को सार्वजनिक और नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले करने का दोषी ठहराते हुए फांसी दे दी है। न्यायपालिका की आधिकारिक समाचार वेबसाइट, मिज़ान ऑनलाइन के अनुसार बेहरोज़ एहसानी एस्लामलोउ और मेहदी हसनी को आवासीय क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी भवनों को निशाना बनाने के लिए मोर्टार लांचर का उपयोग करने का दोषी पाए जाने के बाद रविवार सुबह फांसी दे दी गई। ईरान के मोजाहेदीन संगठन ने फांसी की निंदा करते हुए एक बयान जारी किया और कहा कि दोनों को क्रूर यातनाओं का सामना करना पड़ा।

### भारत की मदद के लिए यूनुस ने कहा धन्यवाद

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारतीय डॉक्टर्स समेत 21 विदेशी फिजिशियन और नर्सों की टीम की जमकर तारीफ की। रविवार को मोहम्मद यूनुस ने स्टेट गेस्ट हाउस में विदेशी डॉक्टर्स की मेडिकल टीम से मुलाकात की और उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया। बीती 21 जुलाई को बांग्लादेशी वायु सेना का एक लड़ाकू विमान ढाका में एक स्कूल और कॉलेज कैंपस के बीच क्रैश हो गया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227